हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 04, अंकः-22, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, मंगलवार 30 जून 2026

जवाहर-इंदिरा भवन कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन ...02

रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम को मिला डायमंड क्लब का...06

साइकिल चलेगी तो दंगे होंगे, इसलिए जनता ने पंचर कर दी: योगी

दिल्ली में ईवी पर रोड टैक्स-रजिस्ट्रेशन फी

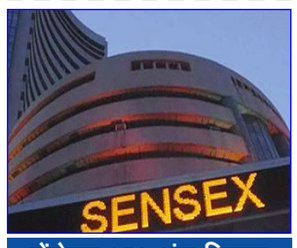

सेंसेक्स 372 अंक गिरकर 76728 पर बंद

चांदी 3,439 बढ़कर 2.19 लाख किलो पर पहुंची

देश के विभाजन का दर्द आज भी झेल रहे बंगाली परिवार: सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का विभाजन दुर्भाग्यपूर्ण था और उसी का परिणाम है कि हजारों परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और बाद में बांग्लादेश में प्रताड़ना झेलने वाले हिंदू परिवारों को अब भारत में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिला है। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन के माध्यम से इन परिवारों को न्याय मिला है।

पीलीभीत, संवाददाता। पीलीभीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के पतरासा कुंवरपुर गांव में 569.11 करोड़ रुपये की 66 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने करीब ढाई हजार विस्थापित परिवारों को भूमि अधिकार पत्र सौंपे। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर निशाना साधा। कहा कि सपा और कांग्रेस को सिर्फ मुसलमानों की चिंता है। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपी की जनता ने साइकिल पंचर कर दी। अगर साइकिल चलेगी तो दंगे होंगे। कर्फ्यू लगेगा। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में नो दंगा, नो कर्फ्यू, सब चंगा का माहौल है। मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों ने वर्षों तक शासन किया, लेकिन बांग्लादेश से आए प्रताड़ित हिंदू परिवारों, गरीबों, दलितों और वंचितों की चिंता कभी नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों की राजनीति केवल तुष्टिकरण तक सीमित रही, जबकि भाजपा सरकार सभी

ढाई हजार विस्थापित परिवारों को मिला अधिकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीलीभीत में लगभग 2,500 विस्थापित परिवारों यानी करीब 15 हजार लोगों को नागरिकता और भूमि अधिकार का लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में ऐसे करीब 55 हजार परिवारों को चरणबद्ध तरीके से अधिकार दिलाने का अभियान चल रहा है। इसकी शुरुआत पीलीभीत से हुई। बाराबंकी, बहराइच में भी यह क्रम चल रहा है। अभी कुछ मामलों में वन विभाग और केंद्र सरकार की अनुमति मिलते ही अन्य परिवारों को भी लाभ दिया जाएगा।

पहले गोशाला की जमीन पर सपाइयों का था कब्जा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में गोशालाओं की जमीन, सार्वजनिक संपत्तियों और गरीबों की भूमि पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले कुछ लोग राजनीतिक संरक्षण में गोशालाओं और अन्य सरकारी जमीनों पर कब्जा कर लेते थे, लेकिन अब ऐसी हरकतों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। जहां गोशाला बनी है वहां पहले किसी सपाई का ही कब्जा रहा होगा।

वर्गों के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए समाजवादी पार्टी के नेता पर तंज कसते हुए कहा कि जिन्हें समय पर उठने की आदत नहीं, जो दोपहर 12 बजे उठते हैं और शाम को जिम चले जाते हैं, उन्हें गरीबों की पीड़ा समझ में नहीं आती। उन्होंने कहा कि गरीबों और वंचितों की चिंता केवल भाजपा सरकार ने की है। भाजपा ने गरीबों की पीड़ा को संवेदना को जोड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों ने केवल एक परिवार और एक क्षेत्र के विकास पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि यदि समाजवादी पार्टी ने वास्तव में पूरे प्रदेश के विकास पर काम किया होता तो पीलीभीत में पहले

गुंडा-माफिया पर योगी का हमला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में गुंडों और माफियाओं का आतंक था। वे गरीबों और व्यापारियों की जमीनों पर कब्जा करते थे, विकास कार्यों में बाधा डालते थे और आम लोगों का जीना दूभर कर देते थे। उन्होंने कहा कि पहले दंगे, कर्फ्यू और अपराध आम बात थे, लेकिन भाजपा सरकार बनने के बाद कानून व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है और किसी भी अपराधी को संरक्षण नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में नो दंगा, नो कर्फ्यू, सब चंगा का माहौल है। अपराधियों और माफियाओं में कानून का भय है, जबकि व्यापारी, महिलाएं, किसान और आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्रतिबद्धता गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं के कल्याण के लिए है, न कि किसी गुंडे या माफिया को संरक्षण देने के लिए।

ही मेडिकल कॉलेज, बेहतर सड़कें, पर्यटन सुविधाएं और गरीबों को भूमि अधिकार मिल गए होते। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूरे प्रदेश के संतुलित विकास के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीलीभीत अब विकास की नई पहचान बन रहा है। मेडिकल कॉलेज, सड़क चौड़ीकरण, पर्यटन, जैव विविधता संरक्षण, युवाओं के लिए कौशल विकास और गरीबों को नागरिकता व भूमि अधिकार जैसी योजनाओं ने जिले को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के प्रयास से केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ तेजी से जिले तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गंगा एक्सप्रेसवे जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं विकास की नई तस्वीर पेश कर रही हैं। उन्होंने बताया कि गोरखपुर से शामली तक बनने वाला आर्थिक कॉरिडोर पीलीभीत क्षेत्र को भी बेहतर संपर्क देगा।

पुणे की विशेष अदालत का बड़ा फैसला, दुष्कर्म-हत्या के दोषी को फांसी

पुणे, एजेंसी। पुणे की एक विशेष अदालत ने नसरापुर गांव में तीन साल की बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में सोमवार को 65 वर्षीय व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई। इस घटना के बाद महाराष्ट्र में भारी जन आक्रोश और विरोध प्रदर्शन देखने को मिले थे। अतिरिक्त न्यायाधीश एस. आर. सालुंखे ने इस मामले को दुर्लभ से दुर्लभतम करार देते हुए भीमराव कांबले को सजा सुनाई, जो उस समय कठघरे में मौजूद था। जैसे ही न्यायाधीश ने मौत की सजा सुनाई, बच्ची का परिवार अदालत कक्ष में रो पड़ा। न्यायाधीश सालुंखे ने कहा कि अभियोजन के पक्ष में काफी मजबूत साक्ष्य मिले हैं। अदालत ने टिप्पणी की, यह अपराध एक ऐसे आरोपी द्वारा हत्या और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने से संबंधित है, जिसका पिछला आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

ट्विशा शर्मा मामले में आरोपी पूर्व जज गिरिबाला के घर चोरी

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के बहुचर्चित ट्विशा शर्मा हत्या मामले में आरोपी उसकी सास गिरिबाला सिंह के घर शनिवार देर रात चोरी हो गई, जिसके बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश कश्यप ने बातचीत में घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घटनास्थल के आसपास मौजूद सीसीटीवी कैमरे से पता चला है कि चार आरोपी पीछे के रास्ते से गिरिबाला सिंह के घर की पहली मंजिल पर पहुंचे थे, जबकि दो घर के बाहर नीचे खड़े थे। उन्होंने कहा कि घटना के वक्त गिरिबाला सिंह के भाई सेवानिवृत्त कर्नल रणवीर सिंह भदौरिया घर में सो रहे थे और उन्हीं की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। ट्विशा शर्मा की मौत मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल के प्रमुख रहे कश्यप ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने उन्हें अपने चौंबर में शपथ दिलाई। खड़गे हाल में कर्नाटक से संसद के उच्च सदन के लिए लगातार दूसरी बार निर्वाचित हुए हैं। इस मौके पर राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, सदन के नेता जे पी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की मौजूदगी रही।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

अयोध्या की अदालत ने सभी 8 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

अयोध्या, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन मामले में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों की न्यायिक हिरासत स्थानीय अदालत ने 14 दिन के लिए और बढ़ा दी है। सोमवार को न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर सभी आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भ्रष्टाचार रोधी अदालत के विशेष न्यायाधीश रजत वर्मा के समक्ष पेश किया गया। विशेष अभियोजन अधिकारी उमेश दुबे ने बताया कि सुनवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों की पुलिस रिमांड के लिए कोई आवेदन प्रस्तुत नहीं किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने सभी आठ आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। गौरतलब है कि इससे पहले विशेष अदालत ने आरोपियों को तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था, जिसकी अवधि सोमवार को समाप्त हो गई थी। अब अदालत के ताजा आदेश के बाद सभी आरोपी अगले 14 दिनों तक न्यायिक हिरासत में जेल में रहेंगे। मामले की जांच जारी है और जांच एजेंसियां कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन मामले में 8 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। सोमवार को सभी आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने किसी भी आरोपी की रिमांड नहीं मांगी। भ्रष्टाचार रोधी अदालत के विशेष न्यायाधीश रजत वर्मा ने सभी आरोपियों की 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी। इससे पहले अदालत आरोपियों को तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेज चुकी थी।

जम्मू-कश्मीर के कटरा में वाहन हादसा, 10 घायल

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में कटरा के पास सोमवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल का एक वाहन पलटने से उसमें सवार नौ जवानों समेत 10 लोग घायल हो गए जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, सीआईएसएफ की ड्यूटी पर तैनात वाहन ताराकोटे,बालिनी मार्ग पर एक तीखे मोड़ के पास पलट गया। उन्होंने बताया कि नौ जवानों के अलावा वाहन का चालक भी घायल हुआ है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल हुए तीन जवानों को जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि सात अन्य जवानों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें कटरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है। जीएमसी अस्पताल रेफर किए गए घायल जवानों की पहचान हेड कांस्टेबल पी. के. टिट्टिया, हेड कांस्टेबल एम. एम. डे और कांस्टेबल शौमी के रूप में हुई है। कांस्टेबल शौमी के सिर में गंभीर चोट आई है।

दो जगह लगी आग, जूते-चप्पल की दुकान और अपार्टमेंट में मची अफरा-तफरी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सोमवार को आग लगने की दो अलग-अलग घटनाओं से अफरा-तफरी मच गई। पहली घटना विकासनगर इलाके में जूते-चप्पल की एक दुकान में हुई, जबकि दूसरी घटना चिनहट क्षेत्र के एक अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल पर सामने आई। दोनों मामलों में दमकल और पुलिस की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि किसी भी घटना में जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, विकासनगर में महावीर इंटर कॉलेज के सामने स्थित बाजार में दोपहर करीब 12 बजे एक इमारत के भूतल और पहली मंजिल पर संचालित जूते-चप्पल की दुकान में आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। एहतियात के तौर पर आसपास की इमारतों को खाली कराया गया और घरों में रखे एलपीजी सिलेंडर व अन्य ज्वलनशील सामान को सुरक्षित स्थान पर हटाया गया। दमकल की दो गाड़ियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। वहीं, दूसरी घटना चिनहट थाना क्षेत्र में रामा डिग्री कॉलेज के पास स्थित एक अपार्टमेंट में हुई। यहां पांचवीं मंजिल पर बने एक कमरे में आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे के भीतर आग बुझा दी। संबंधित इमारत का उपयोग होम-स्टे और कार्यालय के रूप में किया जाता है। घटना के समय प्रभावित मंजिल पर तीन लोग मौजूद थे, जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

छह उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में उग्रवादी गतिविधियों के खिलाफ सुरक्षा बलों ने पिछले एक सप्ताह तक चले व्यापक संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। भारतीय सेना, असम राइफल्स, मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने पिछले एक सप्ताह में राज्य के पांच जिलों में खुफिया सूचनाओं के आधार पर अभियान चलाकर छह उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, अभियान स्पीयर कोर के नेतृत्व में कांगपोकपी, इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल और काकचिंग जिलों में चलाया गया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी प्रतिबंधित संगठनों एसओआरईपीए, केसीपी (एन), केवाईकेएल और आरपीएफ (पीएलए) से जुड़े बताए गए हैं। इनमें एक स्वयंभू कैप्टन भी शामिल है। सबसे बड़ी बरामदगी कांगपोकपी जिले के लोइचिंग रिज, माओहिंग और नॉर्थ चांगौबुंग क्षेत्र में 24 और 26 जून को चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान हुई। इसमें दो राइफल, एक कार्बाइन मशीन गन, एक अन्य राइफल, 42 देशी राइफलें, कई पिस्तौल, इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, पम्पी गन और एक अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर शामिल हैं।

मुंबई में जल संकट: सूखने के कगार पर सात झीलें

मुंबई, एजेंसी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई इस समय पानी की बूंद-बूंद को तरसने के कगार पर है। मानसून में देरी और कम बारिश के कारण मुंबई को पानी सप्लाई करने वाले सातों जलाशयों में लाइव वॉटर स्टॉक घटकर सात फीसदी से भी कम हो गया है। स्थिति कितनी भयावह है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल इसी अवधि में इन तालाबों में 39.5 फीसदी पानी मौजूद था। देरी से आए मानसून और अल नीनो के खतरे ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के हाइड्रोलिक इंजीनियर विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार सुबह छह बजे सातों जलाशयों में केवल 1,00,279 मिलियन लीटर पानी बचा था। यह इनकी कुल क्षमता का सिर्फ 6.93 फीसदी है। पिछले साल इसी दिन यह स्टॉक 5,71,670 मिलियन लीटर यानी 39.5 प्रतिशत था। मुंबई को रोजाना लगभग 4,000 मिलियन लीटर पीने के पानी की आपूर्ति की जाती है। भाटसा, अपर वैतरणा, मोदक सागर, तानसा, मिडल वैतरणा, तुलसी और विहार जैसे इन सातों झीलों की कुल उपयोगी भंडारण क्षमता 14.47 लाख मिलियन लीटर है। अपर वैतरणा में शून्य लाइव स्टॉक- इस प्रमुख जलाशय का उपयोगी लाइव स्टोरेज शून्य हो गया है। अब इसके लोअर ड्राडाउन लेवल (एलडीएल) के नीचे का 11,974 मिलियन लीटर आपातकालीन पानी इस्तेमाल हो रहा है। अपर वैतरणा, मोदक सागर, तानसा और मिडल वैतरणा में संयुक्त रूप से केवल 46,192 मिलियन लीटर पानी बचा है, जो उनकी क्षमता का 6.65 फीसदी है। विहार झील में उसकी क्षमता का सबसे अधिक 45.13 प्रतिशत, तुलसी में 24.26 प्रतिशत और मोदक सागर में 18.47 प्रतिशत पानी उपलब्ध है। पिछले 24 घंटों में तुलसी में 179 मिमी, विहार में 112 मिमी, मोदक सागर में 38 मिमी और भांडुप कॉम्प्लेक्स में 191 मिमी बारिश दर्ज की गई है। राहत की बात बस इतनी है कि साल 2024 में इसी दिन पानी का स्तर 5.43 प्रतिशत तक गिर गया था, जिसके मुकाबले इस बार स्थिति मामूली रूप से बेहतर है।

32 साल बाद लागू होगा यमुना जल समझौता

हरियाणा-राजस्थान के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा और राजस्थान के बीच वर्ष 1994 के अपर यमुना नदी बोर्ड (यूवाईआरबी) समझौते को लागू करने की दिशा में सोमवार को बड़ा कदम उठाया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में दोनों राज्यों ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत अब मानसून के दौरान हथिनीकुंड बैराज से राजस्थान को उसके हिस्से का यमुना जल उपलब्ध कराया जाएगा। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहे। अपर यमुना नदी बोर्ड (यूवाईआरबी) के तहत यमुना जल बंटवारे का समझौता वर्ष 1994 में हुआ था। हालांकि, राजस्थान तक पानी पहुंचाने के लिए आवश्यक नहर व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने के कारण यह समझौता अब तक लागू नहीं हो सका था। नए समझौते के अनुसार, मानसून के महीनों में हथिनीकुंड बैराज से भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से राजस्थान को उसके हिस्से का यमुना जल उपलब्ध कराया जाएगा। इससे लंबे समय से लंबित जल बंटवारे के समझौते को अमल में लाया जा सकेगा। 12 मई 1994 को यमुना बेसिन से जुड़े उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (दिल्ली) सहित संबंधित राज्यों ने यमुना नदी के जल बंटवारे को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में दो महत्वपूर्ण ओबीसी आरक्षण विधेयक पारित

टीएमसी काल की ओबीसी सूची रद्द

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण से संबंधित दो महत्वपूर्ण विधेयक सोमवार को विधानसभा में ध्वनि मत से पारित हो गए। इसके साथ ही, राज्य सरकार के लिए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की पिछली सरकार के दौरान तैयार की गई ओबीसी सूची को रद्द करने का रास्ता साफ हो गया है। विधानसभा द्वारा पारित किए गए दो विधेयक पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग (अनुसूचित और अनुसूचित जनजाति के अलावा) सेवाओं और पदों में रिक्तियों के आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2026 और पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग (संशोधन) विधेयक 2026 हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं जन शिक्षा विस्तार एवं पुस्तकालय सेवा मंत्री गौरी शंकर घोष ने ये दोनों विधेयक पेश किए।

टीएमसी काल की ओबीसी सूची रद्द

दिल्ली में 1 जुलाई से लागू होगी नई ईवी पॉलिसी

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राजधानी में प्रदूषण कम करने और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी 2026 को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा करते हुए बताया कि उपराज्यपाल की स्वीकृति के बाद यह नीति 1 जुलाई 2026 से लागू होगी और 31 अगस्त 2031 तक प्रभावी रहेगी। सरकार का दावा है कि नई नीति से इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा मिलेगा, प्रदूषण में कमी आएगी और नागरिकों को आर्थिक

लाभ भी मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि नई ईवी पॉलिसी राजधानी की सबसे बड़ी चुनौतियों,वायु प्रदूषण और बढ़ते यातायात का समाधान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इस नीति से अगले कुछ वर्षों में दिल्लीवासियों को करीब 15 हजार करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आर्थिक लाभ मिलने का अनुमान है। सरकार ने दोपहिया, तिपहिया, चारपहिया, मालवाहक वाहन, ट्रक और ग्रामीण परिवहन सेवाओं को भी इस नीति के दायरे में शामिल किया है ताकि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का दायरा व्यापक बनाया जा सके। नई नीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों को अलग-अलग श्रेणियों में आकर्षक प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों पर 30 हजार से 50 हजार रुपये तक की सहायता मिलेगी। वहीं इलेक्ट्रिक ट्रक खरीदने वालों को 1 लाख रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। ग्रामीण सेवा वाहनों के लिए 20 हजार रुपये तक का स्क्रैपिंग इंसेंटिव भी निर्धारित किया गया है।

खरीफ फसलों को सूखे से बचाने तथा जल संरक्षण की उन्नत तकनीकों को अपनाने की अपील

लखनऊ। वर्तमान में जलवायु की असामान्य परिस्थितियों के कारण मानसून की समय से सक्रियता प्रभावित हो रही है, जिससे वर्षा की अनिश्चितता एवं सामान्य से कम वर्षा संभावित है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार उत्तर प्रदेश में अभी तक मानक वर्षा से 56 प्रतिशत वर्षा कम हुई है, जिससे लगभग सभी जनपद प्रभावित हुए हैं। इस स्थिति को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा सम्यक रणनीति तैयार कर कृषकों को सफल फसलों के उत्पादन हेतु विशेष एडवाइजरी जारी की गई है। विभाग ने किसानों से अल-निनो के देशव्यापी प्रभाव और विषम मानसून की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर इन सुझावों का पालन करने और अपनी फसलों का समय से बीमा कराने की अपील की है। विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार, धान की खेती केवल उन्हीं स्थानों पर करने का सुझाव दिया गया है जहां पानी के सुनिश्चित साधन उपलब्ध हैं। वर्षा आधारित खेती के लिए धान के स्थान पर श्री अन्न, मक्का, उर्द, मूंग, तिल और अरहर जैसी फसलों को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया है। धान की रोपाई वाले खेतों में एक फीट ऊंची मेड़ बनाने की सलाह दी गई है ताकि वर्षा का जल संचित हो सके और नर्सरी में पानी का ठहराव न होने देने के निर्देश दिए गए हैं। कम पानी में बेहतर उत्पादन के लिए धान की सीधी बुआई (डीएसआर) पद्धति अपनाने तथा कम दिनों में तैयार होने वाली प्रजातियों जैसे सीआर धान-100, 101, 103, आईआर-64 और एनडीआर-97 का चयन करने को कहा गया है। रोपाई हेतु 20 से 25 दिन की पौध को दो-तीन पौधा प्रति हिल और तीन-चार सेंटीमीटर की गहराई पर लगाने का सुझाव दिया गया है। आकस्मिक फसल योजना के अंतर्गत कम जल मांग वाली और सूखा सहनशील फसलों पर विशेष बल दिया गया है। ज्वार, बाजरा, सावां, कोदो और रागी जैसी श्री अन्न फसलें केवल वर्षा के जल से अच्छा उत्पादन देने की क्षमता रखती हैं और इनमें कीटों तथा रोगों का प्रकोप भी कम होता है। दलहनी फसलों में अरहर की बुआई मेड़ या रिज बनाकर करने की सलाह दी गई है ताकि वर्षा जल का सदुपयोग हो सके। कम समय में अधिक उत्पादन के लिए मूंग की मालवीय जन क्रांति, विराट, स्वाति तथा उर्द की पंत उर्द 12, 8, 9 और वल्लभ उर्द प्रजातियों को उपयुक्त बताया गया है। इसी प्रकार तिलहनी फसलों में तिल की तरुण, प्रगति, शेखरय मूंगफली की उत्कर्ष, प्रकाश, अम्बर और सोयाबीन की पीके-472, 416 तथा पंतसोयाबीन-26 जैसी विषम परिस्थितियों के प्रति सहिष्णु प्रजातियों की खेती को किसानों के लिए लाभकारी बताया गया है। जल एवं नमी संरक्षण के संबंध में किसानों को गहरी जुताई से बचने और सूखी पत्तियों, पुआल अथवा प्लास्टिक शीट से मल्चिंग करने का सुझाव दिया गया है। मिट्टी में जैविक व कंपोस्ट खाद के साथ-साथ पूसा हाइड्रो जेल का प्रयोग करने की सलाह दी गई है, जो अपने वजन से तीन सौ गुना अधिक पानी सोखकर नमी बनाए रखता है। उन्नत सिंचाई प्रबंधन के तहत केवल सायंकाल या रात में ही नाली अथवा बेसिन विधि से सिंचाई करने और पानी बचाकर केवल फसलों की क्रांतिक अवस्था पर ही सिंचाई करने को कहा गया है। यथासंभव ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई विधियों को अपनाने और मिश्रित खेती के तहत मक्का के साथ अरहर या मूंग उगाने पर जोर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, किसानों से अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी आकस्मिकता से बचने के लिए 31 जुलाई से पूर्व निर्धारित वित्तमान के मात्र दो प्रतिशत प्रीमियम पर अपनी अधिसूचित खरीफ फसलों का बीमा अवश्य करा लें।

जलशक्ति मंत्री 15 से 25 जुलाई तक करेंगे जिलों के ताबड़तोड़ दौरे व निरीक्षण

लखनऊ। जल जीवन मिशन योजना के तहत गांवों में निर्धारित मानकों के मुताबिक नल से जल की सप्लाई हो रही है या नहीं। इसकी जमीनी हकीकत जानने के लिए जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह खुद फील्ड पर उतरेंगे। 15 से 25 जुलाई के बीच जलशक्ति मंत्री एक दर्जन से अधिक जिलों का दौरा करेंगे और गांवों का निरीक्षण कर खुद जलापूर्ति और पानी की गुणवत्ता की जांच करेंगे। सोमवार को इसके निर्देश जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने विभागीय समीक्षा बैठक में दिए। दौरे में जलशक्ति मंत्री के साथ नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव और विभाग के आला अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस दौरे में मंत्री और अधिकारी गांवों में रात्रि विश्राम करेंगे और जनता से संवाद करेंगे। इस दौरान विभिन्न गांवों में जल अर्पण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। 15-16 जुलाई के बीच जलशक्ति मंत्री ललितपुर, झांसी, जालौन के गांवों का दौरा करेंगे। इस दौरान मंत्री औचक निरीक्षण कर गांवों में पहुंचेगे। 18-19 जुलाई को जलशक्ति मंत्री सुल्तानपुर, जौनपुर, मीरजापुर और सोनभद्र के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान भी गांवों में जाकर ग्रामीणों से फीडबैक लिया जाएगा। साथ ही रात्रि विश्राम भी मंत्री और अधिकारी करेंगे। 24 जुलाई को जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह मथुरा में संत संवाद करेंगे। इसमें यमुना की सफाई को लेकर संतों की राय ली जाएगी।

रोहनिया पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का किया खुलासा, पांच आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। थाना रोहनिया पुलिस ने एसओजी, सर्विलांस और साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में 8 जून को हुई जितेंद्र पटेल हत्याकांड का सफल खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई का नेतृत्व थाना प्रभारी निरीक्षक राजू सिंह ने किया। पुलिस ने तीन आरोपियों को अखरी से गिरफ्तार किया, जबकि दो अन्य आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ के दौरान करसड़ा के पास दबोचा। पुलिस के अनुसार आरोपी खुद को पेटीएम कर्मचारी बताकर साइबर ठगी करते थे। मृतक के खाते में बड़ी रकम होने की जानकारी मिलने पर मोबाइल लूटने की नीयत से गोली मारकर हत्या की गई थी। आरोपियों के कब्जे से 1.78 लाख रुपये नकद, 10 पेटीएम मशीनें, 18 मोबाइल, 29 डेबिट कार्ड, 116 क्यूआर कोड, एक एप्पल लैपटॉप, अवैध पिस्टल, तमंचा, कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त रोनिन बाइक बरामद हुई है। पुलिस आयुक्त ने इस सफल खुलासे पर रोहनिया थाना प्रभारी राजू सिंह के नेतृत्व वाली पुलिस टीम को एक लाख रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की है।

काशी जेसीज चैरिटेबल ट्रस्ट का पारिवारिक संगम, खेल-मनोरंजन के बीच बढ़ा आपसी जुड़ाव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। काशी जेसीज चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से बाबतपुर स्थित सेठ एम.आर. जैपुरिया स्कूल परिसर में आयोजित पारिवारिक मिलन गोष्ठी उत्साह और आत्मीयता के माहौल में संपन्न हुई। ट्रस्ट सदस्यों ने अपने परिवारों के साथ खेल, मनोरंजक गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लेडीज़ लकी ड्रॉ रहा, जिसमें विजेताओं को आकर्षक उपहार दिए गए। मैनेजिंग ट्रस्टी अनिल के. जाजोदिया ने कहा कि ऐसे आयोजन संगठनात्मक एकता और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। पारिवारिक समिति अध्यक्ष राजेन्द्र मोहन साह और कार्यक्रम सलाहकार समीर रस्तोगी ने भी परिवारों की सहभागिता को संगठन की मजबूती का आधार बताया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक सुरभि रस्तोगी व शालिनी शाह की अहम भूमिका रही। अंत में सचिव पंकज अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय वुशू प्रतियोगिता में वाराणसी के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, छह पदक जीते

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश वुशू संघ के तत्वावधान में जनपद शामली में 25 जून से आयोजित 25वीं सीनियर, 26वीं सब-जूनियर एवं 27वीं जूनियर राज्य स्तरीय बालक, बालिका, महिला एवं पुरुष वुशू प्रतियोगिता का सफल समापन हो गया। प्रतियोगिता में वाराणसी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल छह पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। जूनियर वर्ग में युवराज सिंह ने 85 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। वहीं शिशांत यादव (65 किग्रा), रौनक पाल (56 किग्रा) तथा आनंदी सिंह (45 किग्रा) ने कांस्य पदक अपने नाम किया। सब-जूनियर वर्ग में शिवम राय (52 किग्रा) और प्रांजल यादव (39 किग्रा) ने कांस्य पदक जीतकर वाराणसी का नाम रोशन किया। जिला वुशू संघ के सचिव गोपाल जी सेठ ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है कि उन्होंने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वाराणसी का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है।

नोएडा में सैन्को ऑल इंडिया कैरम टूर्नामेंट का आगाज, देशभर के 125 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

नोएडा। सैन्को कंपनी के प्रायोजन तथा गौतम बुद्ध नगर कैरम एसोसिएशन एवं उत्तर प्रदेश कैरम एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रथम सैन्को ऑल इंडिया प्राइज मनी ओपन कैरम टूर्नामेंट का रंगारंग शुभारंभ सोमवार को नोएडा के होटल ब्लू डायमंड में हुआ। टूर्नामेंट का औपचारिक उद्घाटन अंतरराष्ट्रीय कैरम महासंघ के अध्यक्ष जोसफ मेयर ने अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित कैरम खिलाड़ी मारिया इरुदयम के साथ कैरम बोर्ड पर गोटियां ब्रेक कर किया। पांच लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाले इस दो दिवसीय टूर्नामेंट में देश के लगभग 18 राज्यों के 125 महिला एवं पुरुष खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता की खास बात यह रही कि पहली बार सभी मुकाबले ऑन-कैमरा और बिना अंपायर के कराए जा रहे हैं, जिसमें खिलाड़ी स्वयं एक-दूसरे के अंपायर की भूमिका निभा रहे हैं। प्रतियोगिता 32 कैरम बोर्डों पर खेली जा रही है। उद्घाटन समारोह में अंतरराष्ट्रीय कैरम महासंघ के सचिव वी.डी. नारायण, नेशनल फेडरेशन की महासचिव भारती नारायण, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरज सतपथी, उपाध्यक्ष पी.एस. बछेर, गुरिंदर सिंह, एसोसिएट उपाध्यक्ष बैजनाथ सिंह, यूपी कैरम एसोसिएशन के सचिव एडवोकेट सिराजुद्दीन सहित विभिन्न राज्यों के पदाधिकारी, रेफरी एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। पहले दिन खेले गए मुकाबलों में रशीद अहमद (दिल्ली), मोनू अली (असम), सीताब अहमद (उत्तर प्रदेश), मोहम्मद समीर (दिल्ली), फुरकान अंसारी (उत्तर प्रदेश), जयकुमार (आंध्र प्रदेश), हर्षित केसरी (उत्तर प्रदेश), कृष्णा दयाल (उत्तर प्रदेश), गौरव गुप्ता (उत्तर प्रदेश), मोहम्मद सादिक (उत्तर प्रदेश), विजय कुमार (तमिलनाडु), जनार्दन रेड्डी (आंध्र प्रदेश), नरेश (तेलंगाना) सहित कई खिलाड़ियों ने जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। समाचार लिखे जाने तक प्रतियोगिता के मुकाबले जारी थे। पहले दिन शाहिद अंसारी, शिवदयाल यादव और गुल खान सहित कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों की सराहना बटोरी।

जवाहर–इंदिरा भवन कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

अध्यक्ष समरजीत सिंह व महासचिव हेमंत गूजर ने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

लखनऊ। जवाहर भवन इन्दिरा भवन कर्मचारी वेलफेयर एसोसिएशन का 24-06-2026 को हुये चुनाव के क्रम में संगठन कार्यालय, भूतल 10 अशोक मार्ग, जवाहर भवन लखनऊ में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ मुख्य चुनाव अधिकारी कमल अग्रवाल प्रान्तीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ द्वारा दिलाई गई। इस अवसर पर श्री नरेंद्र प्रताप सिंह संरक्षक, उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ एवं श्री जेपी पांडे प्रान्तीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रियल सर्विस एसोसिएशंस, उत्तर प्रदेश भा.कृ.से.वि. सेवा संघ एवं विशेष रूप से श्री आलोक सिंह रेकवार पूर्व अध्यक्ष, प्रबन्ध कार्यकारिणी एवं वर्तमान संरक्षक जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी कल्याण संघ, श्री राम भजन मौर्य प्रान्तीय कोषाध्यक्ष, अफीफ सिद्दीकी, जिलाध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ मुख्य रुप से उपस्थित रहे। निम्नांकित निर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ली जिसमें अध्यक्ष पद पर समरजीत सिंह, महासचिव पद पर हेमंत कुमार गूजर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत कुमार रावत, उपाध्यक्ष चंदन श्रीवास्तव, मुंतजिर मेहंदी, मोना चौधरी, सचिव गौरव मिश्रा, संगठन सचिव राम केदल, प्रचार मंत्री पंकज रावत, विनय शुक्ला कोषाध्यक्ष, ऑडिटर अभिषेक प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी आशीष कुमार, कार्यालय सचिव श्रवण कुमार यादव ने शपथ ली। इस मौके पर अध्यक्ष समरजीत सिंह ने कहा कि कर्मचारियों की पेंडिंग समस्याओं, प्रमोशन, सैलरी में अंतर, मेडिकल सुविधाओं और जवाहर भवन इंदिरा भवन की बेसिक समस्याओं को प्रियोरिटी पर पूरा करने की कोशिश की जाएगी। महासचिव हेमंत कुमार गूजर ने कहा कि वेलफेयर एसोसिएशन और जवाहर भवन में लंबे समय से कर्मचारियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर लेकर उच्च अधिकारियों से मिलेंगे और पुरानी पेंशन दिलाने आदि कर्मचारियो की समस्याओं को हल कराएंगे। 12 दिसंबर 2026 को ऑल इंडिया स्टेट एम्प्लॉइज फेडरेशन द्वारा अपनी मांगों को लेकर होने वाली राष्ट्रव्यापी रैली, रामलीला मैदान, नई दिल्ली में संगठन पूरा सहयोग देकर उसमें हिस्सा लेगा।

हजरतगंज में अतिक्रमण पर चला नगर निगम का बुलडोजर, सड़क घेरने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। वी.आई.पी. इलाके हजरतगंज में नगर निगम जोन-1 की टीम ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। हजरतगंज कोतवाली और फायर स्टेशन के सामने सड़क पर कब्जा कर व्यवसाय करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई।नगर निगम की टीम ने पाया कि कई दुकानदारों द्वारा सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण कर वाहनों की पार्किंग और अन्य गतिविधियां संचालित की जा रही थीं,जिससे आम लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अधिकारियों के अनुसार अतिक्रमण के कारण अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। हजरतगंज जैसे शहर के सबसे व्यस्त और वीआईपी क्षेत्र में भी लगातार हो रहे अतिक्रमण को लेकर नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है।अभियान के दौरान जोनल अधिकारी, राजस्व निरीक्षक देवी शंकर दूबे और नगर निगम की 296 टीम मौके पर मौजूद रही और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया।

पूरे प्रदेश में दानवीर भामाशाह की जयंती धूमधाम से मनायी गयी

लखनऊ। दानवीर भामाशाह की जयंती पर उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में सोमवार को व्यापारी कल्याण दिवस पूरे उत्साह और जनभागीदारी के साथ मनाया गया। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ के विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि पिछले तीन वर्षों से यह कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं और इनका उद्देश्य समाज में राष्ट्र प्रथम की भावना को सशक्त करना है। उन्होंने कहा कि जब प्रत्येक नागरिक ''नेशन फर्स्ट'' की भावना के साथ कार्य करेगा, तब भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त करेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद माफिया तंत्र पर प्रभावी कार्रवाई कर भयमुक्त व्यापार का वातावरण तैयार किया गया है। साथ ही उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं।

गंगा–गोमती क्षेत्र के भूजल में आर्सेनिक एवं फ्लोराइड पर बीबीएयू करेगा शोध

प्रो. नरेन्द्र कुमार एवं डॉ. मोनिका को एएनआरएफ से मिली परियोजना

डॉ मोनिका

प्रोफेसर नरेंद्र कुमार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. नरेन्द्र कुमार तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग की डॉ. मोनिका को एक महत्वपूर्ण शोध उपलब्धि प्राप्त हुई है। अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन नई दिल्ली ने उनकी संयुक्त शोध परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। लगभग 75 लाख रुपये की लागत वाली यह परियोजना तीन वर्षों की अवधि के लिए स्वीकृत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण गंगा–गोमती दोआब क्षेत्र में भूजल में पाए जाने वाले दो प्रमुख प्रदूषकों आर्सेनिक और फ्लोराइड की स्थिति, वितरण, सह–अस्तित्व तथा उनके पर्यावरणीय प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन करना है। यह शोध क्षेत्र में सुरक्षित पेयजल उपलब्धता, जनस्वास्थ्य संरक्षण तथा पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बड़ी आबादी पेयजल के लिए भूजल पर निर्भर है, लेकिन हाल के वर्षों में भूजल में आर्सेनिक और फ्लोराइड की बढ़ती मात्रा गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरी है। ये तत्व प्राकृतिक रूप से चट्टानों और मिट्टी में पाए जाते हैं, किन्तु भूजल की बदलती परिस्थितियों, अत्यधिक दोहन तथा अन्य पर्यावरणीय कारकों के कारण इनकी सांद्रता बढ़ सकती है। आर्सेनिक एक अत्यंत विषैला तत्व है, जिसके दीर्घकालिक संपर्क से त्वचा संबंधी रोग, हृदय संबंधी समस्याएं तथा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। वहीं फ्लोराइड की अधिक मात्रा डेंटल फ्लोरोसिस एवं स्केलेटल फ्लोरोसिस जैसी समस्याओं का कारण बनती है।

हाईकोर्ट में समझौते के बाद भी मारपीट का आरोप, पुलिस पर कार्रवाई न करने और समझौते का दबाव बनाने का आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर हाईकोर्ट में हुए समझौते के बावजूद मारपीट करने का आरोप लगाया है। साथ ही थाना भेलूपुर पुलिस पर शिकायत के बावजूद कार्रवाई न करने तथा समझौता करने का दबाव बनाने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता श्रद्धा चौधरी ने पुलिस आयुक्त को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 26 जून 2026 की दोपहर करीब तीन बजे उसके पति अभिमन्यु चौधरी तथा सास चंद्रसेना देवी ने कथित रूप से लाठी–डंडों और पेचकस से हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना के बाद उसने यूपी–112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसके पति को थाने ले गई। पीड़िता का आरोप है कि थाने में उसकी शिकायत पर कोई विधिक कार्रवाई नहीं की गई, बल्कि उस पर समझौता करने का दबाव बनाया गया। महिला का कहना है कि समझौते के बाद जब वह अपने मायके पहुंची तो उसके पति समेत अन्य परिजनों ने कथित रूप से घर में घुसकर उसकी मां के साथ मारपीट की और विरोध करने पर उसे भी पीटा। पीड़िता के अनुसार उसने रात करीब एक बजे फिर से यूपी–112 पर सूचना दी। उसका दावा है कि पुलिस के पहुंचने के बावजूद आरोपियों ने मारपीट जारी रखी और पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि थाना भेलूपुर पुलिस ने उसका चिकित्सीय परीक्षण (मेडिकल) भी नहीं कराया। उसने पुलिस आयुक्त से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए थाना भेलूपुर में एफआईआर दर्ज कराने और आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई कराने की मांग की है। फिलहाल इस मामले में पुलिस का पक्ष सामने नहीं आया है।

पूर्व–पश्चिम का अनूठा संगम: ऐतिहासिक ग्रनाडा मंच पर चमके भारतीय कलाकार

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

ग्रनाडा। स्पेन के ऐतिहासिक शहर ग्रनाडा में आयोजित प्रतिष्ठित %इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ म्यूजिक एंड डांस% में इस बार भारतीय शास्त्रीय संगीत और पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुतियों ने धूम मचा दी। उत्सव के 75वें संस्करण के दौरान हुए विशेष भारतीय सत्रों में वैश्विक दर्शकों और कला प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां भारत की सदियों पुरानी कला और संस्कृति आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। 11 जून से शुरू हुआ यह विश्वप्रसिद्ध सांस्कृतिक उत्सव 12 जुलाई 2026 तक जारी रहेगा। इसी श्रृंखला में स्पेन स्थित भारतीय दूतावास और %कासा डे ला इंडिया% के सह-निर्माण में आयोजित विशेष भारतीय सत्र 'एल सुएनो डेल सितार' (द ड्रीम ऑफ सितार) इस वर्ष के महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र बनकर उभरा। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल ऐतिहासिक अलहम्ब्रा महल परिसर और उसके खूबसूरत जनरलइफ गार्डन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में सजे इस मंच पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत जीवंत हो उठी। महान संगीतकार पंडित रवि शंकर को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित इस विशेष प्रस्तुति में पूरब और पश्चिम के संगीत का अनूठा संगम देखने को मिला। स्पेन स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर कार्यक्रम की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा ग्रनाडा के प्रतिष्ठित इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ म्यूजिक एंड डांस में भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे, पंडित शुभेंद्र राव (सितार) के नेतृत्व वाले मशहूर इंस्ट्रूमेंटल ग्रुप और रामा वैद्यनाथन के नेतृत्व वाले प्रसिद्ध भरतनाट्यम ग्रुप ने ग्रनाडा फिलहारमोनिक ऑर्केस्ट्रा और स्पेनिश फ्लेमेंको नर्तकों के साथ मिलकर 卐द ड्रीम ऑफ़ सितार卐 पेश किया और पंडित रवि शंकर को श्रद्धांजलि दी। दूतावास ने कहा भारत-स्पेन कल्चर, टूरिज्म और एआई के %डुअल ईयर% के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने स्पेन के सबसे प्रतिष्ठित सांस्कृतिक त्योहारों में से एक के साथ एक शानदार सहयोग को दर्शाया और भारत व स्पेन के बीच बढ़ती सांस्कृतिक साझेदारी को उजागर किया। विदेशी और स्थानीय स्पैनिश दर्शकों ने खड़े होकर (स्टैंडिंग ओवेशन) भारतीय और स्पैनिश कलाकारों के साझा दल का अभिवादन किया। %भारत-स्पेन संस्कृति और पर्यटन वर्ष% के अंतर्गत ग्रनाडा के इस ऐतिहासिक मंच पर 'पूरब और पश्चिम' का यह मेल महज एक कलात्मक प्रस्तुति नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच मजबूत होते राजनयिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों का जीवंत प्रमाण है।

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में यूपी के अभय गुप्ता और झील गौतम सम्मानित

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दी बधाई व शुभकामनायें

लखनऊ। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन-2026 में उत्तर प्रदेश के दो युवा-फरीदपुर (बरेली) के अभय गुप्ता तथा दयालबाग (आगरा) की झील गौतम को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के पूसा स्थित एनएएससी कॉम्प्लेक्स के सी. सुब्रह्मण्यम सभागार में आयोजित दो दिवसीय 'राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन-2026' के दूसरे दिन केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने देशभर से चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस गरिमामयी समारोह में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश के इन दोनों युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। दोनों युवाओं को उनकी रचनात्मकता, ज्ञान एवं नवाचार के माध्यम से 'विकसित भारतदृगारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण अधिनियम, 2025' के संदेश के प्रभावी प्रचार-प्रसार तथा जन-जागरूकता में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दोनों युवाओं को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। सम्मेलन में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश ग्राम्य विकास आयुक्त कार्यालय द्वारा यात्रा, आवास एवं भोजन सहित आवश्यक व्यवस्थाएँ उपलब्ध कराई गईं। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इन दोनों युवाओं की इस उपलब्धि ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उप मुख्यमंत्री ने दिल्ली स्थित पूसा परिसर में माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास व संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मासानी जी की गरिमामयी उपस्थिति में 'एक पेड़ माँ के नाम' रोपित किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रदेशों के ग्रामीण विकास मंत्रीगण की उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा उक्त अधिनियम के प्रचार-प्रसार एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से तथा पोर्टल पर पंजीकरण कर राष्ट्रीय स्तर की डिजिटल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इसके अंतर्गत आयोजित ÷60 ैमबवदक वित डल टपससंहम÷ (नेशनल रीलध्वीडियो चौलेंज) में उत्तर प्रदेश के इन दोनों प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस नेशनल प्रतियोगिता मे स्ळ्ळव् डिजाइनए फनप्र और त्ममस प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया था। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत ग्रामीण विकास और नवाचार को नई दिशा देने के लिए तीन बड़ी प्रतियोगिताओं मे उत्तर प्रदेश के अधिक से अधिक लोगो को भाग लेने की अपील की थी। इससे युवाओं की कला, ज्ञान और डिजिटल कौशल के माध्यम से ग्रामीण भारत की एक नई पहचान संवारना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना रहा। अभियान के अंतर्गत लोगो 'डिजाइन, क्विज और रील मेकिंग प्रतियोगिताओं' का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओ से न केवल युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान मिला बल्कि उन्हें ग्रामीण संस्कृति और आत्मनिर्भरता के विजन से भी परिचित होने का अवसर मिला, साथ ही साथ वीबी- जी राम जी अधिनियम के बारे मे आम लोगो को अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त हुयी और कतिपय भ्रान्तियां भी दूर हुयी। माय विलेज रील,वीडियो प्रतियोगिता मे सोशल मीडिया के प्रभाव को देखते हुए 15 से 29 वर्ष के युवाओं के लिए रील मेकिंग प्रतियोगिता हुयी थी। इसमें प्रतिभागी 30-60 सेकंड के वीडियो के माध्यम से अपने गांव की खूबसूरती और विकास की कहानियों को साझा किये।

सहायक आचार्य भर्ती के साक्षात्कार 21 जुलाई से शुरू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या-51 के अंतर्गत सहायक आचार्य के 33 विषयों में कुल 910 पदों पर चयन के लिए साक्षात्कार का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इन पदों के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 18 व 19 अप्रैल 2026 को किया गया था, जिसका औपबन्धिक परिणाम 09 जून 2026 को घोषित किया गया था। लिखित परीक्षा में सफल घोषित किए गए कुल 3155 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आगामी 21 जुलाई 2026 से लेकर 13 अगस्त 2026 तक विभिन्न तिथियों में आयोजित किया जाएगा। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 21 जुलाई 2026 मंगलवार को अर्थशास्त्र, 22 जुलाई बुधवार को वनस्पति विज्ञान एवं दर्शनशास्त्र, 23 जुलाई गुरुवार को रसायन विज्ञान, 24 जुलाई शुक्रवार को अंग्रेजी, 28 जुलाई मंगलवार को कृषि अर्थशास्त्र, मानव विज्ञान एवं भूगोल, 29 जुलाई बुधवार को भौतिक विज्ञान एवं मनोविज्ञान, 30 जुलाई गुरुवार को चित्रकला, संस्कृत एवं उर्दू, 31 जुलाई शुक्रवार को प्राचीन इतिहास, सैन्य विज्ञान एवं संगीत गायन के साक्षात्कार होंगे। इसी प्रकार 04 अगस्त मंगलवार को शिक्षाशास्त्र एवं इतिहास, 05 अगस्त बुधवार को पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान, संगीत तबला, शारीरिक शिक्षा एवं जंतु विज्ञान, 06 अगस्त गुरुवार को विधि एवं राजनीति विज्ञान, 07 एवं 11 अगस्त को हिंदी तथा 07 अगस्त को गणित, 12 अगस्त बुधवार को एशियन कल्चर, उद्यान विज्ञान, संगीत सितार, समाजशास्त्र एवं सांख्यिकी तथा 13 अगस्त गुरुवार को वाणिज्य एवं गृह विज्ञान विषयों के साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे।

नेट जीरो सरोजनीनगर 2040- डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल से हरित विकास की नई पहचान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

सरोजनीनगर। पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया जा रहा नेट जीरो सरोजनीनगर 2040 अभियान तेजी से जनभागीदारी का रूप ले रहा है। डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में इस अभियान का लक्ष्य वर्ष 2040 तक सरोजनीनगर को नेट जीरो उत्सर्जन वाला मॉडल विधानसभा क्षेत्र बनाना है। अब तक 20 हजार से अधिक नागरिक हरित भविष्य के निर्माण के लिए शपथ ले चुके हैं। डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल से सरोजनीनगर में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु नेतृत्व और सतत विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण से जलवायु नेतृत्व तक नया इतिहास रचता सरोजनीनगर के संकल्प के साथ अभियान को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित द ग्रीन शिफ्ट-गोल्फ टूर्नामेंट अवॉर्ड्स 2026 में खेल और पर्यावरण संरक्षण को जोड़ा गया। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। खेल के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प थीम पर आयोजित इस आयोजन में जूनियर, महिला और वेटरंस श्रेणियों में प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें 23 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया और विजेताओं को 6 लाख रुपये तक की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। अभियान के तहत नेट जीरो इंडस्ट्री पहल की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य एमएसएमई इकाइयों को पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का भागीदार बनाना है। इसके साथ ही युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए युवा सशक्तिकरण केंद्र स्थापित किए गए। पर्यावरण संरक्षण के तहत 500 धार्मिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक महत्व वाले वृक्षों का रोपण कर ट्री गार्ड लगाए गए। महिला सशक्तिकरण की दिशा में मां तारा शक्ति सिलाई केंद्रों के माध्यम से 30 हजार से अधिक ईको-फ्रेंडली बैग तैयार किए गए, जिन्हें करीब 50 स्कूलों और सामाजिक कार्यक्रमों में वितरित किया गया। इससे प्लास्टिक उपयोग कम करने के साथ महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का प्रयास किया गया। वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण के लिए एनवायरमेंट वॉरियर्स - द गार्डियंस ऑफ द ग्रीन अभियान चलाया गया। इसके तहत उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्रों में 9 वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें पीलीभीत टाइगर रिजर्व, कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य, किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य और दुधवा नेशनल पार्क जैसे क्षेत्र शामिल रहे। वनकर्मियों को मजबूत बनाने के लिए 250 साइकिल, 2000 जैकेट, 100 दूरबीन और 2 इलेक्ट्रिक स्कूटर वितरित किए गए। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले 25 वनकर्मियों को सम्मानित किया गया। शिक्षा और जल संरक्षण के क्षेत्र में भी अभियान के तहत कार्य किए गए। 2 प्राथमिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी और डिजिटल लर्निंग सेंटर स्थापित किए गए। वन्यजीवों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सोलर पावर वाटर पंप लगाए गए। वहीं 30 सिलाई मशीनों के वितरण से 3 तारा शक्ति सिलाई केंद्र स्थापित किए गए। पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने के लिए क्विज और डिबेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को 5 लाख रुपये तक की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। वही डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा, विकास तभी सार्थक है, जब आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण, सुरक्षित वन्यजीव और हरित भविष्य मिले। नेट जीरो सरोजनीनगर 2040 केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य का संकल्प है।

निजी स्कूलों की मनमानी पर जिला प्रशासन का शिकंजा, 8 विद्यालयों पर 40 लाख का जुर्माना

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। राजधानी में निजी स्कूलों की मनमानी और अभिभावकों पर बढ़ते आर्थिक दबाव को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी विशाख के निर्देश पर फीस में अनियमितता, निर्धारित दुकानों से ही किताब-कॉपी और यूनिफॉर्म खरीदने के लिए अभिभावकों को बाध्य करने जैसे गंभीर आरोपों में 8 निजी विद्यालयों पर 5-5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कुल मिलाकर इन स्कूलों पर 40 लाख रुपये का दंड लगाया गया है। जिन विद्यालयों पर कार्रवाई की गई है, उनमें एलन पब्लिक स्कूल, वृंदावन; के.के. मॉडर्न पब्लिक स्कूल, सीलवती; आइडियल स्कूल; आश्रम एकेडमी, कृष्णा नगर; सेंट डोमिनिक इंटर कॉलेज; सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, अयोध्या रोड; ब्राइटवे इंटर कॉलेज, राजाजीपुरम; और के.जे. मॉडर्न पब्लिक स्कूल शामिल हैं। प्रशासन का कहना है कि इन संस्थानों के खिलाफ अभिभावकों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिनमें मनमानी फीस वसूली और सामग्री खरीद को लेकर दबाव बनाए जाने की बात सामने आई थी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि शिक्षा के नाम पर किसी भी प्रकार की मनमानी, शोषण या नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निजी विद्यालयों की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए और शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रशासन की इस कार्रवाई से निजी स्कूल संचालकों में हड़कंप मच गया है, जबकि अभिभावकों ने इसे राहत भरा कदम बताया है। अधिकारियों का कहना है कि आगे भी ऐसे मामलों में सख्ती जारी रहेगी, ताकि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे और अभिभावकों पर अनावश्यक बोझ न पड़े।

रचना मिश्रा व जनार्दन पाण्डेय नाचीज़ को मिला अविरल काव्य गंगा सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। अविरल सेवा संस्थान, लखनऊ द्वारा 60 दयाल फोर्ट, विष्णुपुरी-3, अलिगंज, लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह एवं काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. विशम्भर शुक्ल ने की। मुख्य अतिथि नरेंद्र भूषण व विशिष्ट अतिथि उमेश प्रकाश सक्सेना उमेश रहे। समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, दीप प्रवलन, वर्षा शर्मा की सुमधुर वाणी वन्दना व संस्था के महा सचिव डॉ. चन्द्र देव दीक्षित %चन्द्र% के कुशल संचालन से हुआ। मंचस्थ मनीषियों के सम्मानोपरांत संस्था की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. शोभा दीक्षित, उपाध्यक्ष हरि मोहन वाजपेयी %माधव% आदि द्वारा सुश्री रचना मिश्रा व जनार्दन पाण्डेय %नाचीज़% को अविरल काव्य गंगा सम्मान से सम्मानित किया गया। अंगवस्त्र, पुष्प माल, सम्मान पत्र व नकद धनराशि प्रदान किया गया। इस अवसर पर अनिल कुमार जायसवार उर्फ पण्डित बेअदब लखनवी, अजय तोमर, डॉ. प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, संदीप शर्मा, डॉ. वर्षा शर्मा, मीरा चौरसिया, डॉ. प्रतिभा गुप्ता, राम राज भारती, डॉ. शुभ्रा पाण्डेय, राजीव वत्सल, प्रो विशम्भर शुक्ल, नरेंद्र भूषण, उमेश प्रकाश सक्सेना उमेश, डॉ. शोभा दीक्षित भावना, डॉ.चन्द्र देव दीक्षित,राम मूर्ति सिंह %अधीर% आदि ने सुन्दर काव्य पाठ कर समारोह को सफल बनाया। योग एवं पर्यावरण पर सर्वाधिक रचनाएं पढ़ी गई।

भारतीय मानवाधिकार पदाधिकारी के साथ बैठक सम्पन्न

➢ बैठक में पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा, संगठन को और अधिक सशक्त करने के दिए गये दिशा -निर्देश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। भारतीय मानवाधिकार परिवार के निशातगंज स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में जिलाध्यक्ष लखनऊ कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में संगठन की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में सभी पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा की गई तथा संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये - सभी पदाधिकारियों के कार्यों की समीक्षा की गई। प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को आयोजित होने वाली बैठक में सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य की गई एवं सभी पदाधिकारियों को अपनी पहचान के लिए बैनर, विजिटिंग कार्ड एवं नेम प्लेट बनवाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय गिरीश अवस्थी द्वारा नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में रूबी क़ासिम (जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, लखनऊ), आकाश राठौर (जिला सचिव, युवा प्रकोष्ठ, लखनऊ) एवं राजू कन्नौजिया (संगठन सचिव, ट्रांसगोमती, लखनऊ) शामिल रहे। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमित शर्मा, राष्ट्रीय सचिव ज़िआ उल्लाह सिद्दीकी, संयुक्त सचिव (महिला प्रकोष्ठ) स्वतंत्र लता श्रीवास्तव, प्रदेश महासचिव (उत्तर प्रदेश) दिलीप कुमार सिंह, राहुल अग्रवाल, कुलवेन्द्र प्रताप सिंह, शिवम् जायसवाल, जकिया जमाल, ग्लोरिया टेलर, संजय मौर्य एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का समापन संगठन की मजबूती, अनुशासन एवं जनसेवा के संकल्प के साथ किया गया।

समाचार

श्री शिव महापुराण कथा, पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं पूजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता अवनीश कुमार सागर

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के खरगापुर स्थित कामाख्या मन्दिर के निकट ? शान्ति महिला कल्याण संस्थान के तत्वावधान में रविवार को एक कलश-यात्रा निकाली गई जिसमें स्थानीय महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह शोभायात्रा श्री शिव महापुराण कथा के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित की गई। इसका मुख्य संचालन चक्रयोग विश्वगुरु दादास्वामी जी महाराज ने तथा प्रबन्धन ? शान्ति महिला कल्याण संस्थान की संस्थापिका शान्ति सिंह चौहान ने किया तथा 551 पार्थिव शिवलिंग बनाकर पूजन भी किया गया। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि श्री शिव महापुराण कथा 29 जून 2026 से 05 जुलाई 2026 तक निरन्तर अपराह्न 3:00 बजे से सायं 6:30 तक चलेगी जिसमें सभी भक्तजनों की उपस्थिति प्रार्थनीय है। आगामी भक्तजन सम्पर्क सूत्र- 9336423530 पर विस्तृत जानकारी ले सकते हैं।

प्रताप सिंह यादव को जीत कुने डो एसोसिएशन उत्तर प्रदेश द्वारा ग्रैंड मास्टर के पद से सम्मानित किया गया।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर क्षेत्र के प्रताप सिंह यादव पिछले लगभग 36 वर्षों से जीत कुन डो के सैकड़ों छात्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। मार्शल आर्ट के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, निष्ठापूर्ण सेवाओं तथा उनकी वरिष्ठता को दृष्टिगत रखते हुए एसोसिएशन ने यह सम्मान प्रदान करने का निर्णय लिया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जीत कुन डो संगठन के प्रमुख पदाधिकारी एक्स उपस्थित रहे, जिनमें प्रदेश महासचिव सुधीर कुमार शर्मा, जिला सचिव संजय श्रीवास्तव, जिला उप-सचिव दिनेश साहू एवं सदस्य आलोक सिंह शामिल थे। जीत कुन डो एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश प्रताप सिंह यादव के इस अमूल्य योगदान के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है और विश्वास रखता है कि उनके अनुभव व मार्गदर्शन से भविष्य में भी जीत कुन डो की कला नई पीढ़ी तक पहुँचती रहेगी।

पारा की प्लाई फैक्ट्री में युवक की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

तीसरा विकल्प न्यूज़ अवनीश कुमार सागर

मृतक दीपू पाल फाइल फोटो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र स्थित एक प्लाई फैक्ट्री में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान काकोरी निवासी दीपू पाल के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने फैक्ट्री में मौजूद कर्मचारियों व अन्य लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लोजपा में अलंकार पाण्डेय को मिली प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश संगठन के विस्तार पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष (प्रबुद्ध प्रकोष्ठ) अनिल कुमार त्रिपाठी ने की, जिसमें संगठन के विस्तार और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार त्रिपाठी ने संगठन को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों की घोषणा की। अजय सिंह जिलाध्यक्ष (कानपुर नगर) तथा समाजसेवी अलंकार पाण्डेय को प्रदेश सचिव (प्रबुद्ध प्रकोष्ठ) नियुक्त किया। अनिल कुमार त्रिपाठी ने बताया, पार्टी आगामी पंचायत चुनाव सहित विभिन्न स्तरों पर बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने के लिए अभियान चलाएगी। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से पूरी निष्ठा एवं सक्रियता के साथ संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। अनिल कुमार त्रिपाठी ने कहा कि अलंकार पाण्डेय लंबे समय से संगठन से जुड़े हुए हैं और उनकी सक्रियता एवं कार्यशैली को देखते हुए उन्हें प्रदेश सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भाषा विवि में सेवानिवृत्त प्रोफेसरों को दी विदाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर फखरे आलम एवं प्रोफेसर तनवीर खादिजा के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर दोनों शिक्षकों के दीर्घकालीन शैक्षणिक एवं संस्थागत योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जफरुन नकी ने किया। उन्होंने दोनों प्राध्यापकों की शैक्षणिक उपलब्धियों, विद्यार्थियों के प्रति उनके समर्पण तथा विश्वविद्यालय के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान पर प्रकाश डालते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि प्रो. फखरे आलम एवं प्रो. तनवीर खादिजा ने अपने ज्ञान, अनुभव और समर्पण से विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। उन्होंने दोनों शिक्षकों के स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनका अनुभव विश्वविद्यालय परिवार के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

विश्वस्तरीय मनोरंजन की नई सौगात- यूवीटी कृष्णा सिनेमाज की दो अत्याधुनिक स्क्रीन का भव्य शुभारंभ

●75 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए शुरू की गई समर कम्युनिटी कम्फर्ट पहल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आलमबाग में यूवीटी कृष्णा सिनेमाज ने अपनी स्क्रीन-1 एवं स्क्रीन-2 का भव्य शुभारंभ कर शहरवासियों को विश्वस्तरीय सिनेमा अनुभव की सौगात दी। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगदंबिका पाल ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर किया। समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य अतिथि, फिल्म एवं कॉर्पोरेट जगत से जुड़े प्रतिनिधि तथा शहर के प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जगदंबिका पाल ने कहा कि लखनऊ जैसे सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक शहर में अत्याधुनिक सिनेमा सुविधाओं का विस्तार मनोरंजन उद्योग के साथ-साथ स्थानीय विकास एवं रोजगार के लिए भी महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यूवीटी कृष्णा सिनेमाज की इस पहल की सराहना करते हुए इसे शहर के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। ये रहे प्रमुख अतिथि जगदंबिका पाल - सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कुमार आदर्श - मुंबई ऋषि भाई - लखनऊ श्रीनीवास मामिडाला - हैदराबाद सुमन बागे - हैदराबाद समारोह में उपस्थित अतिथियों ने यूवीटी कृष्णा सिनेमाज की आधुनिक प्रोजेक्शन तकनीक, डॉल्बी गुणवत्ता वाली ध्वनि प्रणाली, आरामदायक सीटिंग, डिजिटल टिकटिंग व्यवस्था तथा प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी सुविधाओं की सराहना करते हुए इसे लखनऊ के दर्शकों के लिए एक नया और यादगार अनुभव बताया। %समर कम्युनिटी कम्फर्ट% पहल बनी आकर्षण का केंद्र समारोह के दौरान यूवीटी कृष्णा सिनेमाज ने सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए समर कम्युनिटी कम्फर्ट पहल की घोषणा की। भीषण गर्मी को देखते हुए 75 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को निर्धारित समय के दौरान बिना किसी फिल्म टिकट के भी यूवीटी कृष्णा सिनेमाज के पूर्णतः वातानुकूलित परिसर में निःशुल्क बैठने एवं विश्राम करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। यूवीटी टीम ने कहा कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की सेवा का भी एक सशक्त माध्यम है। हमें गर्व है कि हम लखनऊ के नागरिकों को विश्वस्तरीय मनोरंजन के साथ-साथ गर्मी के दिनों में आरामदायक वातानुकूलित वातावरण भी उपलब्ध करा रहे हैं। यूवीटी कृष्णा सिनेमाज अत्याधुनिक प्रोजेक्शन तकनीक, आधुनिक साउंड सिस्टम, आरामदायक सीटिंग, डिजिटल टिकटिंग एवं प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी सुविधाओं से सुसज्जित है और उत्तर प्रदेश में सिनेमा मनोरंजन के नए मानक स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यूवीटी कृष्णा सिनेमाज का संदेश - मनोरंजन का नया अनुभव, हर दर्शक के लिए यादगार अनुभव।

राजधानी लखनऊ में अंतराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ में कार्यशाला का भव्य आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) द्वारा बोधि पथ साप्ताहिक कार्यशाला का आयोजन भंते शीलरतन (सदस्य, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ) के द्वारा किया गया। जो दिनांक 20 जून से 26 जून 2026 तक सम्राट अशोक बुद्ध विहार एवं भिक्खुनी केंद्र, मवई पडियाना में अयोजित किया गया। जिसमे सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण पर बौद्धिक दृष्टिकॉन तथा योग पर चर्चा और प्रतियोगिता हुई। इस अवसर पर माननीय भंते शीलरतन (अध्यक्ष, बीएसएफई एंड एस डब्ल्यू), भिक्खुनी भद्रानी, सर्वेश मौर्य (कोशाध्यक्ष), दिवेश मौर्य (महामंत्री), बिटाना देवी (अध्यक्ष, लार्ड बुद्धा संस्थान), ज्योति कुमार द्विवेदी,कामेंद्र मौर्य (इंद्रा भवन),श्री पदम शेखर मौर्य (खंड शिक्षा अधिकारी), आराधना (Psychologist लखनऊ विश्वविद्यालय), अमन शर्मा (योग शिक्षक) कपिल मौर्य, बिपिन मौर्य, राज मौर्य, ग्रामवासी तथा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चे शामिल रहे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पेन, पेंसिल, कॉपी और आयुवर्ग में पहले, दूसरे, तीसरे स्थान पर आए हुए बच्चों को अलग से गिफ्ट दिया गया तथा सभी को सर्टिफिकेट दिया गया. सभी ग्रामवासी और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों के लिए खीर वितरण भी किया गया।

विदाई की भावुक बेला, जब पुलिस अफसरों की विदाई पर रो पड़ी जनता

अधिकारियों का तबादला या परिवार के सदस्य की विदाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पुलिस विभाग में तबादले और विदाई तो एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन कुछ अधिकारी जनता के दिलों पर ऐसी छाप छोड़ जाते हैं कि उनका जाना एक परिवार के बिछड़ने का गम बन जाता है। ऐसा ही एक बेहद भावुक नजारा तब देखने को मिला, जब एसीपी चौक और एसीपी बाजार खाला के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष विदाई समारोह में डीसीपी पश्चिम ने खुद मुख्य रूप से पहुँचकर दोनों अधिकारियों को सम्मानित किया और उन्हें विदाई दी। इस समारोह में क्षेत्र के तमाम सम्मानित नागरिक प्रबुद्ध वर्ग और सामाजिक संगठन भारी संख्या में मौजूद रहे। वहाँ मौजूद लोगों का कहना था कि दोनों अधिकारी केवल वर्दी में तैनात अफसर नहीं थे, बल्कि वे इस क्षेत्र के लोगों के लिए एक परिवार के सदस्य जैसे बन चुके थे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने जनता के साथ इस कदर मेल-जोल बढ़ाया कि हर वर्ग का व्यक्ति उनसे सीधे जुड़ाव महसूस करता था। वे हमेशा लोगों के सुख-दुख में एक सजग प्रहरी और मददगार बनकर खड़े नजर आते थे, जिसके कारण सामाजिक लोग उनका बहुत सम्मान करते थे। जब विदाई की अंतिम घड़ी आई, तो माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। क्षेत्र के सामाजिक लोग और स्थानीय नागरिक इतने भावुक हो गए कि वे अपने आँसू नहीं रोक पाए और फूट-फूट कर रोने लगे। जनता का अपने प्रति ऐसा अगाध प्रेम, मान-सम्मान और अपनापन देखकर दोनों विदा होने वाले अधिकारी भी खुद को संभाल नहीं पाए और उनकी आँखें भी छलक आईं। हर कोई भावुक था और माहौल में एक अजीब सी खामोशी और भारीपन छा गया था। इस मौके पर डीसीपी पश्चिम ने दोनों अधिकारियों के कार्य और उनकी जनता के प्रति संवेदनशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस का असली काम केवल कानून व्यवस्था संभालना नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतना भी है, जिसे इन दोनों अधिकारियों ने बखूबी कर दिखाया है। यह विदाई समारोह इस बात का जीता-जागता सबूत है कि अगर कोई अधिकारी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से जनता की सेवा करे, तो लोग उसे अपने परिवार का हिस्सा मान लेते हैं। अंत में नम आँखों और भारी मन से दोनों अधिकारियों को उनके अगले सफर के लिए शुभकामनाएं देकर विदा किया गया।

अंबेडकर महासभा में अस्थि कलश-बुद्ध विहार पर ताले से अनुयायियों में आक्रोश

बौद्ध संगठनों का ऐलान- हर बुधवार शाम 6 से 8 बजे तक होगी सामूहिक बुद्ध वंदना।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा प्रांगण में स्थापित बाबा साहब के अस्थि कलश, बुद्ध विहार, बोधि वृक्ष व धम्म चक्र के दर्शन पर पिछले कुछ महीनों से ताला लगाए जाने से देश-विदेश के करोड़ों अनुयायियों में रोष है। इस मामले को लेकर सैकड़ों बौद्ध व अंबेडकर समितियों के पदाधिकारियों ने 21 जून को आनंद बुद्ध विहार औरंगाबाद खालसा में बैठक की। इसके बाद 23 जून को अंबेडकर महासभा प्रांगण में हुए कार्यक्रम में तय हुआ कि प्रत्येक रविवार शाम 6 बजे सामूहिक बुद्ध वंदना व पूजा-अर्चना की जाएगी। उसी कार्यक्रम में महासभा के महामंत्री अमरनाथ प्रजापति से सार्वजनिक रूप से अनुरोध किया गया कि आस्था के इन प्रतीकों को दर्शनार्थ खोला जाए। लखनऊ के बौद्ध-अंबेडकर संगठनों व पूज्य भिक्षुगणों के सुझाव पर अब रविवार के स्थान पर प्रत्येक बुधवार शाम 6 बजे से 8 बजे तक अस्थि कलश, बुद्ध विहार व बोधिवृक्ष की सामूहिक पूजा-अर्चना होगी। संगठनों ने महामंत्री अमरनाथ प्रजापति से दोबारा अपील की है कि बहुजन आस्था व सामाजिक परिवर्तन के इन राष्ट्रीय प्रतीकों को हर बुधवार के साथ-साथ पूर्व की तरह प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए खोला जाए। संगठनों का कहना है कि गेट पर ताला लगाकर पूजा-वंदना से रोकना करोड़ों अनुयायियों की आस्था पर कुठाराघात है।

संपादकीय

पासपोर्ट को लेकर अनावश्यक विवाद!

24 जून 2026 को पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के बयान ने पूरे देश में हड़कंप मचा दिया। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारतीय पासपोर्ट मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है, न कि नागरिकता का निर्णायक प्रमाण। विपक्षी दलों ने इसे सत्ता पक्ष की 'नागरिकता राजनीति' से जोड़ा, जिससे आम नागरिकों के मन में भ्रम और आशंका पैदा हो गई। यह विवाद क्यों और कब उठा और क्या यह विवाद खड़ा करना आवश्यक था? इस विवाद की जड़ों को समझें। गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पासपोर्ट को मुख्य रूप से यात्रा दस्तावेज माना जाता है, जो धारक की राष्ट्रीयता की पुष्टि करता है। वियना कन्वेंशन ऑन डिप्लोमैटिक रिलेशंस और अन्य अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के तहत, पासपोर्ट जारी करने वाला देश यह गारंटी देता है कि धारक उसके क्षेत्र में लौट सकता है। यह दस्तावेज सीमा पार यात्रा, वीजा प्राप्ति और विदेश में सुरक्षा के लिए आवश्यक होता है। अमरीका में भी पासपोर्ट नागरिकता का प्राथमिक प्रमाण है लेकिन यह जन्म, वंशानुगतता या प्राकृतिकरण जैसे आधारों पर निर्भर करता है। भारत में भी पासपोर्ट एक्ट, 1967 के तहत पासपोर्ट यात्रा के लिए जारी किया जाता है। विदेश मंत्रालय का बयान इस कानूनी वास्तविकता को दोहराता है। पासपोर्ट नागरिकता नहीं बनाता, बल्कि सरकार की संतुष्टि पर आधारित होता है कि धारक भारतीय नागरिक है। अंतर्राष्ट्रीय रूप से, पासपोर्ट राष्ट्रीयता का प्रतीक है लेकिन यदि किसी की नागरिकता पर विवाद हो (जैसे आप्रवासन, आतंकवाद या दोहरी नागरिकता के मामले में), तो कोर्ट या सक्षम प्राधिकरण मूल दस्तावेजों-जन्म प्रमाण-पत्र, माता-पिता के दस्तावेज, प्राकृतिककरण प्रमाण आदि, की जांच करते हैं। भारत में यह स्थिति नई नहीं है। बॉम्बे हाईकोर्ट (2013) और सुप्रीम कोर्ट ने भी यही रुख अपनाया है कि पासपोर्ट अकेला निर्णायक साक्ष्य नहीं है। भारतीय नागरिकता संविधान के अनुच्छेद 5 से 11 और नागरिकता अधिनियम, 1955 द्वारा निर्धारित होती है। नागरिकता जन्म, वंश, पंजीकरण, प्राकृतिकरण या क्षेत्र समावेशन से प्राप्त होती है। 1987 और 2004 के संशोधनों ने जन्म-आधारित नागरिकता को माता-पिता की नागरिकता पर निर्भर कर दिया। कोई एकल दस्तावेज (पासपोर्ट, आधार, वोटर आई.डी. या पैन) नागरिकता का पूर्ण प्रमाण नहीं है। वर्तमान विवाद का संदर्भ विशेष गहन समीक्षा (एस.आई.आर.) है, जो 16 राज्यों में मतदाता सूचियों की सफाई के लिए चल रही है। विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने स्पष्ट किया कि पासपोर्ट वोटर सूची से बाहर किए गए व्यक्ति के खिलाफ चुनौती के लिए पर्याप्त नहीं होगा, क्योंकि यह यात्रा दस्तावेज है। वास्तव में, करोड़ों भारतीय पासपोर्ट धारक दैनिक जीवन में इसे अपनी भारतीयता का सबसे मजबूत प्रतीक मानते हैं। पासपोर्ट पुलिस वैरिफिकेशन, दस्तावेज जांच और जैवमितीय डाटा के बाद जारी होने वाला दस्तावेज है। सरकार के कई पोर्टल और फॉर्म्स में अक्सर पासपोर्ट को नागरिकता के सबूत के रूप में स्वीकार किया जाता है। विपरीत रूप से देखा जाए तो आम नागरिकों के पास कोई 'नागरिकता प्रमाण-पत्र' नहीं होता। यह मुख्य रूप से प्राकृतिककरण या विशेष मामलों में ही जारी किया जाता है। यह बयान इसलिए अप्रासंगिक लगता है क्योंकि भारत में अधिकांश नागरिक जन्म-आधारित हैं। पासपोर्ट जारी करने से पहले गहन जांच होती है। इसे अचानक केवल 'यात्रा दस्तावेज' कहकर सरकार ने जनता को यह महसूस कराया कि उनकी भारतीयता 'कागजी' है, जबकि वास्तव में यह संवैधानिक अधिकार है।आम आदमी सोच रहा है कि क्या उसका पासपोर्ट रद्द हो सकता है या 'सी.ए.ए.-एन.आर.सी.' जैसे अभियानों में इसे नजरअंदाज किया जाएगा? विपक्षी दल इसे मुस्लिम-विरोधी एजेंडे से जोड़ रहे हैं, जबकि सत्ता पक्ष इसे कानूनी स्पष्टीकरण बता रहा है। सवाल उठता है कि आधार, वोटर आई.डी. आदि भी निर्णायक नहीं हैं, तो क्या सबकी नागरिकता संदिग्ध है? यह सवाल लाखों लोगों के मन में घूम रहा है। परिणामस्वरूप विश्वसनीयता का संकट पैदा हो गया है। वर्तमान विवाद अनावश्यक है क्योंकि यह मौजूदा कानूनी ढांचे को दोहराता है लेकिन जनभावनाओं को नजरअंदाज करता है। सरकार को अब संवाद और स्पष्टता से इस संकट को दूर करना चाहिए। सरकार नागरिकों को आश्वस्त करे कि उनकी भारतीयता संवैधानिक है, न कि किसी दस्तावेज पर निर्भर। ऐसा करने से एक मजबूत, पारदर्शी नागरिकता ढांचा न केवल भ्रम दूर करेगा, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर और मजबूत बनाएगा।

सियासी नेतृत्व का पिछड़ापन

कांगड़ा के राजनीतिक नेतृत्व के पिछड़ेपन के लिए यहां के नेताओं का भोलापन, पहचान का संकट, आपसी मेलभाव तथा स्वीकार्यता की कमी मानी जा सकती है। कांग्रेस के नजरिए से कांगड़ा को सत्ता प्राप्ति का हक मिलता रहा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने तो बाकायदा कांगड़ा की शून्यता के दरवाजे खोलकर झांकने की कोशिश में सत्ता के कई संस्थान स्थापित किए। हालांकि सरकारों की सियासी बाध्यताओं ने कांगड़ा के उच्चारण तो बढ़ाए, लेकिन यहां कोई भी नेता महफूज न हुआ। अधिकतर सत्ता के दरबान बने या कांगड़ा की सियासी प्रतिभा के खिलाफ षड्यंत्रकारी बन गए। वीरभद्र हों, धूमल हों या जयराम ठाकुर, सभी ने अपना पंथ बनाने की कोशिश की, लिहाजा दरबारी होने का रुतबा मौजूदा सरकार के तहत स्थानीय निकाय चुनावों तक देखा गया। पालमपुर नगर निगम पर कांग्रेस के कब्जे ने भाजपा के नेतृत्व में कांगड़ा का शौर्य पस्त किया, तो धर्मशाला में भाजपा का अग्रणी चेहरा, कांग्रेस से भाजपा में आए सुधीर शर्मा की संगत में आगे बढ़ता देखा गया। यहां कांग्रेस की परीक्षा में कांगड़ा को सफल करने का कोई नायाब हीरा नहीं मिला, तो पड़ताल अगले चुनाव को सालती रहेगी। बेशक प्रतीकों में कांगड़ा का नाम हुआ। सबसे अधिक व सत्ता के नजदीक पहुंचाने में वीरभद्र की डॉक्ट्रिन श्रेष्ठ रही, लेकिन अपने-अपने सियासी अनुपात साधने की कोशिश में हर मुख्यमंत्री ने डमरू जरूर बजाए। वीरभद्र सिंह ने मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, मंत्रिमंडलीय बैठकें, विधानसभा का शीतकालीन सत्र और धर्मशाला को शीतकालीन राजधानी का दर्जा दिया, तो प्रेम कुमार धूमल ने सचिवालय से खेल राजधानी के रुतबे से मुख्यालय को नवाजा। जयराम ने राज्य के चिंतन मनन में धर्मशाला में इन्वेस्टर मीट, जी-ट्वंटी सम्मेलन के अलावा कई राष्ट्रीय पर्व और पहचान के इवेंट यहां आयोजित किए। वीरभद्र सिंह की रिवायतों से प्रभावित सुखविंद्र सुक्खू ने धर्मशाला तक कई विभागों, निगमों और बोर्डों के मुख्यालय पहुंचाए, तो संपूर्ण कांगड़ा घाटी को पर्यटन राजधानी घोषित करके, गगल एयरपोर्ट विस्तार को यकीनी बनाया। प्रस्तावित एयरोसिटी के जरिए एक अंतरराष्ट्रीय मुकाम की तलाशी शुरू हुई है। वनखंडी में अंतरराष्ट्रीय स्तर का चिड़ियाघर और विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं की दिशा में कदम उठाकर प्रतीक सुदृढ़ किए हैं। लिफाफों में चिट्ठियां बंटती रही, लेकिन किसी के नाम खत न हुए। कांगड़ा को लेकर नित नए प्रयोग जरूर हुए, लेकिन यहां के नेताओं में प्रयोगधर्मिता के बजाय एक-दूसरे की टांग खींचने की प्रतियोगिताएं चलती रहीं। राष्ट्रीय स्तर पर नेताओं ने अपने कद और पद के लिए प्रतीक सुदृढ़ किए, जातियों और समूहों के नेता बने या मुद्दों की फिराक में स्थायित्व हासिल किया। देश में भाजपा की राजनीति ने जिस तरह धर्मस्थलों को कब्जे में लिया, इससे कुछ नेता ऊंचे उठे। ऐसे में कांगड़ा के मंदिर स्थलों मसलन ज्वालाजी, कांगड़ा, चामुंडा और बैजनाथ की परिक्रमा में भाजपा नेता कम से कम अपने लिए बहुत कुछ हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा करने में कांगड़ा के नेता असमर्थ रहे। चिंतपूर्णी, दियोटसिद्ध, नयनादेवी व बाला सुंदरी मंदिरों पर केंद्रित आस्था ने कुछ नेताओं का वर्चस्व आजमाया है। दियोटसिद्ध में आय-व्यय का हिसाब राजनीतिक चाकरी करता है, लेकिन यही मानदंड कांगड़ा में लागू नहीं हो पाए।

शहादत पर विवाद होना दुखद

> "मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शुरु किए गए ऑपरेशन सिंदूर में छह जवानों की शहादत हुई थी, जिनके नाम अब साल भर बाद जाकर मोदी सरकार ने सार्वजनिक किए हैं। शहीद छह जवानों के नाम नेशनल वॉर मेमोरियल में उकेरे गए हैं"

मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शुरु किए गए ऑपरेशन सिंदूर में छह जवानों की शहादत हुई थी, जिनके नाम अब साल भर बाद जाकर मोदी सरकार ने सार्वजनिक किए हैं। शहीद छह जवानों के नाम नेशनल वॉर मेमोरियल में उकेरे गए हैं। देश की रक्षा और आत्मसम्मान के लिए अपने प्राणों को दांव पर लगाने और सर्वोच्च बलिदान देने के इस जज्बे की तारीफ शब्दों में नहीं की जा सकती न ही पर्याप्त कृतज्ञता जताई जा सकती है। कायदे से शहादत जैसे विषयों पर राजनैतिक बहस या विवाद भी नहीं होने चाहिए। लेकिन मोदी सरकार ने अब सेना को भी राजनैतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना शुरु कर दिया है। इसलिए शहादत पर विवादित बयानबाजी भी हो रही है। दरअसल 28 जुलाई 2025 को संसद सत्र के दौरान लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष से कहा था, आपको सवाल पूछना है तो ये पूछिए कि इस ऑपरेशन में क्या हमारे जांबाज सैनिकों को कोई क्षति पहुंची है तो उसका उत्तर है नहीं। रक्षा मंत्री के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तैर रहा है, जिसमें सुनाई दे रहा है कि नहीं का उच्चारण उन्होंने पूरा जोर देकर किया था और तब सदन में मौजूद गृहमंत्री अमित शाह से लेकर तमाम बीजेपी सांसदों ने मेजें थपथपाकर मुस्कुराते हुए इस बयान का स्वागत किया था। इस बयान को सुनकर यही समझ आता है कि राजनाथ सिंह साफ कह रहे हैं कि हमारे जवानों को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

राजनाथ सिंह ने उसी वक्तव्य में आगे कहा था, प्रतिपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे, मुझे लगता है कि उनका यह सवाल राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने एक बार भी नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान गिराए। उन्हें सवाल पूछना ही है तो उनका प्रश्न ये होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है हां। आपको प्रश्न पूछना है तो ये पूछिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा तो उत्तर है हां। जिस तरीके विपक्ष का नाम लेकर और उसके सवालों की नीयत पर सवाल उठाकर रक्षा मंत्री ने जवाब दिया, उसी से जाहिर था कि सेना के नाम पर मोदी सरकार राजनीति कर रही है। देश की सेना को वह मोदी सरकार की सेना की तरह बताकर उसके कामों का श्रेय अकेले लूटना चाहती है। जबकि कायदे से सेना जो भी करती है, उसकी तारीफ की हकदार केवल वही होती है, कोई राजनैतिक दल नहीं। बहरहाल, रक्षा मंत्री ने जब ये कह दिया था कि किसी जवान की क्षति नहीं हुई, तो यही माना गया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान का खूब नुकसान किया, लेकिन देश को कोई हानि नहीं हुई। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से कभी लड़ाकू विमान गिराने के दावे किए गए, कभी 10 से ज्यादा जवानों को मारने के। लेकिन इन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। अब छह जवानों के नाम सामने आए हैं, तो विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई को लेकर संसद को गुमराह किया गया। एक्स पर श्री खेड़ा ने लिखा कि शिसर्फ दो ही संभावनाएं हैं या तो रक्षा मंत्री को अपने ही मंत्रालय से जुड़े तथ्यों की जानकारी नहीं थी, जो उनकी क्षमता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है, या फिर उन्हें सच्चाई मालूम थी और इसके बावजूद उन्होंने संसद को गुमराह करने का फैसला किया। उन्होंने लिखा, जिस सरकार ने खुद को तिरंगे में लपेट रखा है और जो राष्ट्रवाद की बातें करते नहीं थकती, उसी सरकार ने इन वीरों को वह सम्मान और स्मरण नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। पवन खेड़ा ने कहा, इन वीरों के नाम देश की सामूहिक स्मृति में हमेशा के लिए दर्ज होने चाहिए थे। उनके परिवारों को यह महसूस होना चाहिए था कि पूरा देश उनके बलिदान को सम्मान के साथ याद कर रहा है। लेकिन इसके उलट, पूरे एक साल तक भाजपा सरकार ने उनकी शहादत को देश से छिपाए रखने का फैसला किया। इसी तरह के बयान अन्य दलों ने भी दिए, तो अब रक्षा मंत्रालय ने सफाई दी है कि शकु छ सोशल मीडिया पोस्टों में 28 जुलाई 2025 को संसद में रक्षा मंत्री द्वारा दिए गए भाषण को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है। इन पोस्टों में भाषण के एक छोटे से हिस्से को चुनकर यह झूठा दावा किया गया है कि रक्षा मंत्री ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की मौत नहीं हुई। यह दावा जानबूझकर भ्रामक तरीके से पेश किया गया है और पूरी तरह तथ्यात्मक रूप से गलत है। श्यह याद रखना चाहिए कि जब रक्षा मंत्री संसद में अपना भाषण दे रहे थे, उस समय मीडिया और सोशल मीडिया के कुछ हिस्सों में लगातार यह झूठा प्रचार किया जा रहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के पायलट मारे गए थे। यह दावा पूरी तरह गलत था, लेकिन ऑपरेशन की सफलता को कम करके दिखाने और जनता का मनोबल गिराने के उद्देश्य से इसे लगातार फैलाया जा रहा था। रक्षा मंत्री का संबंधित बयान इसी विशेष और भ्रामक दुष्प्रचार के जवाब में दिया गया था। इसलिए उनके बयान को उसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। रक्षा मंत्रालय के बयान में आगे बताया गया है कि श्यह भाषण भारतीय सशस्त्र बलों के साहस और क्षमता को सम्मान देने वाला था और भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वालों के लिए एक स्पष्ट संदेश भी था। रक्षा मंत्री और भारत सरकार भारतीय सशस्त्र बलों के प्रत्येक सदस्य के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और श्रद्धा व्यक्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

वीबी-ग्रामजी के नियम भेदभावपूर्ण, इसे वापस लें और मनरेगा जारी रखें- बृंदा करात ने शिवराज सिंह चौहान को लिखा पत्र

अनुवाद : संजय पराते

आदरणीय शिवराज सिंह चौहान जी, मैं आपको नए कानून, %विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम% के लागू होने की पूर्व-संध्या पर यह पत्र लिख रही हूँ। कल (28 जून), मैं राजस्थान के उदयपुर ज़िले के बारापाला आदिवासी गाँव में मनरेगा के लिए निश्चित एक कार्य स्थल पर थी। वहाँ मैं मजदूरों से बातचीत कर रही थी, जिनमें से अधिकांश महिलाएं थीं। राजस्थान में काम के लिए गर्मियों के हिसाब से खास समय तय होता है। सुबह 6:30 बजे से 10 बजे तक, यानी चार घंटे तक, बहुत सारी महिलाएँ आधिकारिक ऑनलाइन अटेंडेंस साइट के खुलने का इंतज़ार करती रहीं। लेकिन बार-बार कोशिश करने के बाद भी नेटवर्क कनेक्शन नहीं मिल पाया और प्रभारी %मेट% को आखिरकार यह कहना पड़ा कि उस दिन कोई काम नहीं हो पाएगा। मुझे बताया गया कि सामान्यतः ऐसा होता रहता है। पिछले साल दिसंबर में जब मनरेगा को खत्म किया गया, तो संसद को भरोसा दिलाया गया था कि नया कानून लागू होने तक मनरेगा में काम जारी रहेगा। इसके बावजूद, इन महिला मज़दूरों को जनवरी से जून के बीच सिर्फ़ 18 दिन ही काम मिला है। कम से कम 12 बुज़ुर्ग महिला मज़दूरों ने बताया कि बायोमेट्रिक चेहरा पहचान प्रणाली ने उन्हें काम से बाहर धकेल दिया हैं, क्योंकि तकनीक ने उनकी आँखों को पहचानने से इंकार कर दिया। मैंने उदयपुर ज़िले के कई आदिवासी गाँवों में मज़दूरों से मुलाक़ात की। सभी की एक ही शिकायत थी। मनरेगा को बंद करना ग्रामीण ग़रीबों के लिए बहुत बुरा साबित हुआ है।मैं आपको ये विवरण इसलिए दे रही हूँ, क्योंकि आपके मंत्रालय ने , ग्रामीणों और मनरेगा मज़दूर संगठनों और यूनियनों से बिना किसी बातचीत के, 22 मई को वीबी-ग्रामजी अधिनियम को लागू करने के लिए आठ नियमों का एक सेट जारी किया है। शायद अगर उनसे बातचीत की गई होती, तो मैंने ऊपर जो वास्तविक समस्याएँ बताई हैं, उन पर इन नियमों में ध्यान दिया गया होता। इसके विपरित, यह बहुत चिंता की बात है कि ये नियम मज़दूरों की आवाज़ और उनकी वास्तविक समस्याओं को नज़रअंदाज़ करने के मामले में, पहले से ही त्रुटिपूर्ण वीबी-ग्रामजी कानून से भी एक कदम आगे निकल गए हैं।पहला सवाल यह उठता है कि क्या ये नियम संविधान के अनुच्छेद 258 का उल्लंघन करते हैं? इस अनुच्छेद का संबंध उन प्रावधानों से है, जो राज्यों पर जिम्मेदारियां 卐सौंपते या थोपते卐 हैं। वीबी-ग्रामजी कानून, राज्य सरकारों से बिना किसी सलाह-मशविरे या सहमति के, उन पर न केवल जिम्मेदारियां 卐थोपता卐 है, बल्कि उन पर वित्तीय बोझ भी डालता है। इस अनुच्छेद की उप-धारा (3) में कहा गया है : 卐जब इस अनुच्छेद के तहत किसी राज्य या उसके अधिकारियों या प्राधिकरणों को शक्तियां और जिम्मेदारियां सौंपी या थोपी जाती हैं, तो भारत सरकार राज्य को वह राशि देगी, जिस पर सहमति बनी हो, या सहमति न बनने की स्थिति में, भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त मध्यस्थ द्वारा तय की गई राशि का भुगतान किया जाएगा। यह भुगतान उन शक्तियों और जिम्मेदारियों के पालन के संबंध में राज्य द्वारा उठाए गए किसी भी अतिरिक्त प्रशासनिक खर्च के लिए होगा।卐 ये नियम न केवल राज्यों पर जिम्मेदारियां थोपते हैं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में राज्यों की किसी भी भूमिका को पूरी तरह से नकारते हैं। यह एक महत्वपूर्ण सवाल है, जिस पर मैं आपसे प्रतिक्रिया देने का अनुरोध करती हूं।ये नियम : (1) फ़ैसले लेने की सारी ताक़त केंद्र सरकार के हाथों में केंद्रित करते हैं। (2) राज्य सरकारों को क़ानून लागू करने में कोई भी भूमिका नहीं देते, सिवाय उसके जो केंद्र सरकार तय करती है ; इस तरह ये संविधान के संघीय ढांचे पर हमला करते हैं। (3) फ़ंड के बंटवारे के लिए ऐसे 卐वस्तुनिष्ठ卐 पैमाने तय करते हैं, जो न तो वस्तुनिष्ठ हैं और न ही निष्पक्ष। (4) तकनीकी पर बहुत ज़्यादा निर्भर हैं। (5) मज़दूरी तय करने के लिए कोई पैमाना नहीं बताते।संवैधानिक मुद्दे के अलावा, मैं कुछ अहम मुद्दों के बारे में विस्तार से बताऊंगी, जिन पर मैं आपसे विचार करने का अनुरोध करती हूं :मानक आबंटन (नियम 396ई) : कानून में पहले ही परिवर्तन किया जा चुका है और इस कार्यक्रम को मांग पर आधारित व्यवस्था से बदलकर फंड आबंटन पर निर्भर व्यवस्था में बदला जा चुका है, जिसमें केंद्र सरकार केवल 60 प्रतिशत राशि का भुगतान करती है। लेकिन नियम (396 ई) एक कदम और आगे बढ़कर मजदूरों के साथ उनके निवास स्थान के आधार पर भेदभाव करने वाला ढांचा बनाते हैं। इसे अब और क्या कहा जा सकता है, जब यह नियम कहता है कि आबंटन का आधार 卐सोलहवें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित और भारत सरकार द्वारा स्वीकृत क्षैतिज हस्तांतरण卐 होगा। यह मापता है कि किसी राज्य का प्रति व्यक्ति जीएसडीपी सबसे अमीर राज्यों की तुलना में कितना कम है, जिसे 42.5 प्रतिशत से अधिक का वेटेज दिया गया है। इसके बाद, सबसे अधिक वेटेज जनसंख्या (17.5व) को दिया गया है, जिससे बड़े राज्यों को लाभ होगा। इस कानून के तहत काम की मांग करने वाले ग्रामीण मज़दूरों का इन मानदंडों से क्या लेना-देना है?दक्षिणी राज्यों की आबादी कम है। फिर भी, वे औसतन सबसे ज़्यादा दिनों का काम उपलब्ध करा रहे हैं। उदाहरण के लिए, केरल राज्य ने साल में औसतन 66 दिनों का काम दिया है, जो राष्ट्रीय औसत से कहीं ज़्यादा है। बहरहाल, आबादी को 17 प्रतिशत वेटेज दिए जाने के कारण केरल को फंड से वंचित होना पड़ेगा। जीएसडीपी के मामले में तमिलनाडु शीर्ष पाँच राज्यों में शामिल है। फिर भी, यहाँ मनरेगा के सबसे ज़्यादा सक्रिय मजदूर हैं। तथ्य बताते हैं कि सोलहवें वित्त आयोग के मानदंड का काम की माँग से कोई लेना-देना नहीं है। जिन राज्यों का जीएसडीपी ज़्यादा है और आबादी कम है, उन्हें कम फंड मिलेगा। इसके अलावा, नियमों में कहा गया है कि आबंटन का एक हिस्सा बेहतर प्रदर्शन के लिए 卐इनाम卐 के तौर पर दिया जाएगा। क्या काम के अधिकार को राज्य सरकारों की कार्यक्षमता या अक्षमता का बंधक बनाया जाएगा, जैसा कि केंद्र सरकार ने तय किया है? मानक आबंटन का पूरा मानदंड ही बेहद आपत्तिजनक और भेदभावपूर्ण है, और इस पर तुरंत पुनर्विचार करने की ज़रूरत है।卐अतिरिक्त खर्च卐 (नियम 403ई) : यह बात भी उतनी ही आपत्तिजनक है कि ये नियम किसी राज्य में काम की व्यवस्था करने के लिए ज़्यादा फंड देने के फ़ैसले को बहुत अपमानजनक तरीके से 卐अतिरिक्त खर्च卐 कहते हैं। असल में, केंद्र सरकार ही करों में छूट देकर कॉर्पोरेटों को सब्सिडी देने के मामले में 卐अतिरिक्त खर्च卐 करने और ग्रामीण कामकाजी गरीबों के मामले में 卐कम खर्च卐 करने की दोषी है। राज्य सरकार क्या खर्च करना चाहती है, यह उसका अपना मामला है। बहरहाल, यह नियम राज्य के खर्च को केंद्र की वित्तीय निगरानी प्रणाली से अनिवार्य रूप से जोड़ते हैं। यह राज्य सरकार के अपने फंड से विस्तार और नवाचार करने के अधिकारों, और काम के अधिकार पर हमले का एक उदाहरण है।मज़दूरी के भुगतान का तरीका (402ई) और मज़दूरों की पहचान (397ई) : ये नियम मज़दूरी की दरें तय करने, मज़दूरी बढ़ाने की अनिवार्य समय-सीमा, मूल्य सूचकांक से जुड़ाव वगैरह पर कोई चर्चा नहीं करते। इनमें सिर्फ़ 卐भुगतान के तरीके卐 का ज़िक्र है, जो ग्रामीण हकीकत पर नहीं, बल्कि तथाकथित तकनीकी रूप से विकसित भारत की सोच पर आधारित है। मज़दूरों के लिए अलग-अलग ऑनलाइन पंजीयन पर ज़ोर देना गलत और अन्यायपूर्ण है। इंटरनेट ठीक होने पर भी इसमें एक से तीन घंटे लग सकते हैं। क्या इस समय के लिए भी मज़दूरी मिलेगी या ग्रामीण मज़दूरों के समय की कोई कीमत नहीं है? हाज़िरी दर्ज करने के और भी तरीके हैं। अधिकारियों की बेईमानी की सज़ा मज़दूरों को क्यों मिलनी चाहिए? यह पूरा तरीका एक ऐसी सोच पर आधारित है कि तकनीक का मतलब ही न्याय है। लाखों मनरेगा मज़दूरों का अनुभव बताता है कि यह सच नहीं है। कानून के मुताबिक, मज़दूरी पीस रेट पर तय होती है। लेकिन उत्पादकता के नियम अक्सर मनमाने और इतने ऊंचे होते हैं कि एक मज़दूर के लिए बुनियादी न्यूनतम मज़दूरी कमाना भी नामुमकिन हो जाता है। नियमों में समय के इस्तेमाल का नियमित सर्वे होना चाहिए, ताकि काम करने लायक नियम तय किए जा सकें। चूंकि इन कार्यस्थलों पर काम करने वालों में महिलाओं की बड़ी संख्या है, इसलिए हाथ से काम करने वाली महिला मज़दूरों की मेहनत की लूट रोकने के लिए यह और भी ज़रूरी है।नियम (397ई) में कहा गया है कि संक्रमण के दौर में, पहले से मौजूद उन जॉब कार्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है, जो ई-केवाईसी से सत्यापित हैं और आधार से जुड़े हैं। यह भी बिना सोचे-समझे लिया गया और गलत फैसला है। इसका मतलब है कि लगभग 44 प्रतिशत सक्रिय मजदूरों को काम नहीं मिल पाएगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बताया है कि आधे से कुछ ज्यादा, यानी 56 प्रतिशत लोगों का ही ई-केवाईसी सत्यापन हुआ है। ई-केवाईसी सत्यापन के लिए स्मार्टफ़ोन जैसे तकनीकी साधनों की ज़रूरत होती है, जो शायद कई ग्रामीण मज़दूरों के पास न हों। अगर किसी मजदूर के पास पहचान का कोई दूसरा सबूत है, तो ऐसे सत्यापन पर ज़ोर देना पूरी तरह से गलत है।राष्ट्रीय स्तर पर संचालन कमिटी (397ई) केंद्रीय परिषद (399ई) : इन नियमों के तहत एक राष्ट्रीय स्तर पर संचालन कमिटी (एनएलएससी) बनाई गई है, जो असल में केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत किया गया एक सरकारी निकाय है। इसमें राज्यों का प्रतिनिधित्व बहुत कम है - सिर्फ़ पाँच राज्य ही इसके सदस्य हैं - और इसमें मज़दूरों के प्रतिनिधियों या किसी भी हितधारक को शामिल नहीं किया गया है। यहां तक कि जिन मंत्रालयों को इसमें रखा गया है, वे भी इस प्रक्रिया के प्रति संवेदनहीन रवैये को दिखाते हैं। जबकि कुल मज़दूरों में से 18 प्रतिशत आदिवासी और 17 प्रतिशत दलित हैं, और 50 प्रतिशत से ज़्यादा महिलाएँ हैं, फिर भी इनमें से किसी भी मंत्रालय का प्रतिनिधित्व इसमें नहीं है। जनजातीय मामलों के मंत्रालय, सामाजिक न्याय मंत्रालय और महिला मंत्रालय को इसमें शामिल नहीं किया गया है। हालाँकि राज्य 40 प्रतिशत खर्च उठा रहे हैं, फिर भी उनके साथ बहुत अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया है और राज्यों के सिर्फ़ पाँच प्रतिनिधि ही रखे गए हैं। यह ऐसा ही है, जैसे कि राज्य सरकारों से केंद्र सरकार कह रही हो : खर्च उठाना आपकी ज़िम्मेदारी है, लेकिन फ़ैसले लेना हमारा अधिकार है।) केंद्रीय परिषद गठित की गई है, उसमें 卐गैर-सरकारी卐 सदस्य और आदिवासियों, दलितों व महिलाओं आदि के प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं। बहरहाल, इस परिषद के पास कोई अधिकार नहीं है। यह सिफारिशें कर सकती है, जिन्हें संसद के सामने रखा जाएगा, लेकिन इन सिफारिशों को मानने की कोई बाध्यता नहीं हैं। यह विडंबना ही है कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के मकसद से बनाए गए नियमों में सोशल ऑडिट के लिए कोई अलग निकाय या कोई स्वतंत्र प्राधिकरण नहीं है। सोशल ऑडिट या 卐निगरानी卐 का काम सरकार द्वारा नियुक्त नौकरशाहों पर नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए पूरी अधिकारिता वाला एक स्वतंत्र निकाय होना चाहिए। लेकिन अब तक जारी किए गए नियमों में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। इस पूरी प्रक्रिया का स्वरूप ऊपर से थोपा हुआ और नौकरशाहीपूर्ण है, क्योंकि इन नियमों में पंचायतों के अधिकारों और फ़ैसले लेने की प्रक्रिया में उनकी आवाज़ को बिल्कुल भी मान्यता नहीं दी गई है।इन्हीं सब वजहों से, इन नियमों को वापस लिया जाना चाहिए। मनरेगा को लागू रहना चाहिए। जैसी कि योजना है, 1 जुलाई को इसे खत्म करना हमारे देश के ग्रामीण मेहनतकश लोगों के लिए बहुत बड़ा और क्रूर झटका होगा।

2027 यूपी विधानसभा क्या 2024 लोकसभा के नतीजे दोहराएगा?

शकील अख्तर

उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में केवल छह महीने बचे हैं। 2022 में जनवरी के पहले सप्ताह में चुनाव कार्यक्रम घोषित हो गया था। और 10 फरवरी को पहले चरण का मतदान था। कहने और लिखने को चुनाव अगले साल हैं। मगर समय कितना बचा है? समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव इसीलिए कह रहे हैं कि कांग्रेस की तैयारियां कमजोर लग रही हैं। कांग्रेस में इमरान मसूद इसका जवाब यह कह कर दे रहे हैं कि फिर लड़ लें अकेले चुनाव! अखिलेश ने अकेले लड़ने की बात नहीं कही है। साफ कहा है कि साथ मिलकर लड़ेंगे। मगर उन्हें बेवजह भड़काने की कोशिश बताती है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कौन देख रहा है इसको लेकर स्पष्टता नहीं है। इमरान मसूद सांसद हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव सपा के साथ गठबंधन से ही बने थे। मगर कांग्रेस में जैसा अन्य प्रदेशों में होता है वैसा ही यूपी में भी हो रहा है कि हर नेता अपनी अलग भाषा बोल रहा है। केन्द्रीय स्तर पर कांग्रेस तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव को देखते हुए ही उसने वहां अपने इन्चार्ज को बदला। यूपी में इस समय एक दलित वोट ही ऐसा है जो पूरी तरह ओपन है। किसी भी तरफ जा सकता है। और जिस तरफ जाएगा बड़ा हिस्सा। लगभग 21 प्रतिशत है। इसी की दम पर मायावती चार बार मुख्यमंत्री रही हैं। मगर अब उनकी राजनीति खुद अपने को बचाने तक ही सीमित हो गई है। हालत यह है कि लोकसभा और राज्यसभा में उनका एक भी सदस्य नहीं है। और विधानसभा में केवल एक। ऐसे में दलित वोट अपना रास्ता ढूंढ रहा है। कांग्रेस ने यही देखते हुए अपने एससी डिपार्टमेंट के चौयरमेन राजेन्द्र पाल गौतम को यूपी का नया इंचार्ज बनाया है। मगर उन्होंने यूपी जाकर अपना कार्यभार संभालने से पहले ही दिल्ली में राज्य की आधी सीटों पर दावेदारी ठोक दी। यूपी में इस समय 403 विधानसभा की सीटों में से कांग्रेस की केवल 2 सीटें हैं। और दावा 200 से एक या दो ज्यादा सीटों पर! जैसा कि हमने ऊपर लिखा केवल 6 महीने हैं और राज्य बहुत टफ। कितना? वह इसी से समझ लीजिए कि 37 साल पहले कांग्रेस के आखिरी मुख्यमंत्री हुए थे नारायणदत्त तिवारी।

1989 तक। उसके बाद से सपा भाजपा बसपा का दौर शुरू हो गया। और कांग्रेस 37 साल से राज्य में अप्रसांगिक पड़ी हुई है। सारे प्रयोग कर लिए अकेले लड़ कर भी और सपा-बसपा के साथ मिलकर भी। अपनी सबसे करिश्माई नेता मानी जाने वाली प्रियंका गांधी को इंचार्ज बनाकर भी। मगर वह पार्टी जो आजादी के पहले जब संयुक्त प्रान्त कहा जाता था उस समय से बीच का जब गैरकांग्रेस वाद के नाम पर 1967 में संविद सरकारें बन रही थीं का थोड़ा सा अन्तराल छोड़ दें तो 1989 तक हमेशा सत्ता पर काबिज रही वह अब एक कमजोर हालत में पड़ी हुई है। पांच साल तक कोई काम नहीं होता है। और जब चुनाव आता है तो हर बार वह बेमतलब की बहस शुरू हो जाता है कि साथ लड़ना है या अकेले! अभी समय है। हालांकि संभावनाएं यही कहती हैं कि साथ मिलकर लड़ेंगे। अखिलेश ने बोला ही है। और राहुल साथ मिलकर लड़ने के हिमायती हैं। और सबसे बड़ी बात 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बता दिया कि साथ मिलकर लड़ने का क्या फायदा है। सपा और कांग्रेस ने मिलकर आधी से ज्यादा सीटें जीत लीं। 80 सीटों में से सपा ने 37 जीतीं। जो उसका आज तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कांग्रेस ने छह। मिलकर 43 हुईं। और भाजपा केवल 33 पर सिमट गई। लोकसभा की सीटों पर विधानसभा के परिणाम नहीं मापे जा सकते। मगर दो साल में राज्य में भाजपा की हालत और कमजोर हो गई है। उसके आन्तरिक विवाद जो भाजपा में सामान्यतरू होते नहीं हैं वह तो हैं ही। अखिलेश यादव इन्हें दो इंजनों का टकराना कहते हैं। भाजपा बातों से लोगों को भरमाने के लिए इस तरह के भाषाई खेल करती रहती है। डबल इंजन की सरकारें। अखिलेश अच्छा तंज करते हैं इस पर कि यूपी में तो दोनों इंजन आपस में ही टकराते रहते हैं। मोदी और योगी के बीच तनाव होने की बात करते हुए वे कहते हैं कि एक दूसरे के नमस्कार भी नहीं लिए जाते।किसी और राज्य में इस तरह की स्थिति की आप कल्पना भी नहीं कर सकते। मगर यूपी में भाजपा के आन्तरिक झगड़ों का गहरा असर है। ऐसे में श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला भाजपा के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गया है। खुद भाजपा विश्व हिन्दू परिषद के लोग इससे बेहद आहत हैं। दोषियों के लिए फांसी की मांग कर रहे हैं। तब आप सोच सकते हैं कि आम जनता में इसको लेकर कितना दुरूख और रोष होगा। पेपर लीक बेरोजगारी जैसी दूसरी समस्याएं तो हैं हीं। कांग्रेस छात्रों की समस्या पर प्रयागराज में एक बड़ा छात्र सम्मेलन कर रही है। यहां यह बात बहुत महत्वपूर्ण है कि विधानसभा में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व चाहे कम हो मगर उसके मुद्दों का राज्य में बहुत समर्थन है। पहले प्रयागराज में 10 जुलाई को छात्र सम्मेलन होने वाला था। मगर इसके लिए छात्र और युवाओं का उत्साह देखते हुए कांग्रेस ने और ज्यादा तैयारी के साथ इसे करने के लिए इसकी तारीख बढ़ा दी है। अब यह 19 जुलाई को होगा। एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस की टीमों के साथ कांग्रेस के समन्वयक भी प्रयागराज और उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में छात्र और युवाओं के बीच जाकर उन्हें सम्मेलन में आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। राहुल गांधी कोटा के पहले छात्र सम्मेलन की तरह यहां भी रहेंगे। और प्रियंका गांधी भी यहां आएंगी। अखिलेश इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि जमीन पर कम ताकत दिखने के बावजूद प्रभाव में कांग्रेस की ताकत बहुत है। कांग्रेस के साथ आने से उनकी ताकत कई गुना बढ़ जाती है। जैसे एक मोटा उदाहरण दलित वोटों का ही है। दलित यूपी में सबसे कम सपा की तरफ जाता है। मायावती ने मुलायम अखिलेश के खिलाफ बोल-बोलकर उनके मन में बहुत गलत भावनाएं भर रखी हैं। मगर जब कांग्रेस सपा के साथ आती है तो दलित भी कांग्रेस पर विश्वास करके गठबंधन के साथ आता है।

मानसून की बेरुखी से खेतों में संकट, इंजन के सहारे हो रही धान की रोपाई

➲ बारिश के इंतजार में अन्नदाता, समय पर मानसून न आया तो उत्पादन पर पड़ेगा असर

फतेहपुर, (संवाददाता)। जिले में मानसून की सुस्त चाल किसानों के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है। जून का अंतिम सप्ताह समाप्त होने को है, लेकिन अपेक्षित बारिश न होने से खेतों में नमी की भारी कमी बनी हुई है। धान की रोपाई का समय निकलता जा रहा है, ऐसे में किसान मजबूरी में डीजल इंजन (पंपसेट) के सहारे खेतों में पानी भरकर रोपाई का कार्य कर रहे हैं। इससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है और किसानों की आर्थिक परेशानियां भी गहरा गई हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश किसानों ने समय से धान की नर्सरी तैयार कर ली थी और मानसून के भरोसे रोपाई की तैयारी कर रखी थी लेकिन बारिश नहीं होने से खेत सूखे पड़े हैं। जिन किसानों के पास निजी सिंचाई की व्यवस्था है, वे इंजन चलाकर खेतों में पानी भर रहे हैं, जबकि छोटे और सीमांत किसानों को पानी खरीदकर या किराये का इंजन लेकर रोपाई करानी पड़ रही है। डीजल की बढ़ती कीमतों ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। एक-एक बीघा खेत में पानी भरने के लिए कई घंटे तक इंजन चलाना पड़ता है, जिससे डीजल की खपत और खर्च दोनों बढ़ रहे हैं। कई किसानों का कहना है कि यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो खेती की लागत इतनी बढ़ जाएगी कि फसल से लाभ मिलना मुश्किल हो जाएगा। इन दिनों गांवों में सुबह से ही महिलाएं और पुरुष पानी से भरे खेतों में धान की रोपाई में जुटे दिखाई दे रहे हैं। किसान किसी भी कीमत पर समय से रोपाई पूरी करना चाहते हैं ताकि फसल की बढ़वार प्रभावित न हो। खेतों में मजदूरों की चहल-पहल तो है, लेकिन हर किसान की नजर बार-बार आसमान पर टिकी हुई है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि धान की फसल के शुरुआती चरण में पर्याप्त नमी और पानी बेहद आवश्यक होता है। यदि समय पर अच्छी बारिश नहीं हुई तो फसल की वृद्धि प्रभावित होने के साथ उत्पादन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। हालांकि जिन क्षेत्रों में सिंचाई के साधन उपलब्ध हैं, वहां किसान किसी तरह रोपाई पूरी करने में लगे हैं। फिलहाल जिले का अन्नदाता अच्छी बारिश की आस लगाए बैठा है। किसानों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में मानसून सक्रिय हो गया तो सिंचाई का अतिरिक्त खर्च बचेगा और धान की फसल को भी भरपूर लाभ मिलेगा। लेकिन यदि बारिश में इसी तरह देरी होती रही तो खरीफकी खेती पर व्यापक असर पड़ना तय माना जा रहा है।

तीन दिन से लापता अधेड़ का फांसी पर लटका मिला शव

फतेहपुर, (संवाददाता)। थरियांव थाना क्षेत्र के कोर्रा सादात मजरे जहानपुर में तीन दिन पूर्व घर से निकले 51 वर्षीय अधेड़ का शव रविवार की सुबह लसोड़े के पेड से लटका मिला। बताते चलें कि कोर्रा सादात मजरे जहानपुर गांव निवासी होरीलाल का पुत्र जगत पाल तीन दिन पूर्व भोरपहर घर से निकल गया था। दो दिन बीत जाने के बाद जब वह वापस नहीं आया तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। रविवार की सुबह गांव के कुछ लोग शौचक्रिया के लिए गये थे। तभी गांव से 400 मीटर दूरी जंगल में लसोड़े के पेड़ से जगतपाल का शव फांसी पर लटका देख गांव वालो ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। जिस पर रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे वहीं सूचना पाकर पुलिस ने घटना स्थल पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन ग्रह भेज दिया। घटना के बाबत जानकारी पोस्टमार्टम हाउस में मृतक का पुत्र राजकुमार ने दी है।

2364 बूथों पर गूंजा पीएम की मन की बात का संदेश

भाजपा ने संगठन विस्तार व जनसंपर्क अभियान को दी नई धार

फतेहपुर, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें संस्करण का रविवार को जिले के सभी 2364 बूथों पर उत्साहपूर्वक श्रवण एवं प्रसारण किया गया। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव ने सदर विधानसभा के हंसवा मंडल स्थित बूथ संख्या-359 पर कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ कार्यक्रम सुना और राष्ट्र निर्माण में जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अन्नू श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में नवाचार, आत्मनिर्भर भारत, जनभागीदारी, स्वच्छता, डिजिटल सशक्तिकरण और समाज के प्रेरणादायी प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का प्रत्येक संदेश देशवासियों को राष्ट्रहित में आगे बढ़ने और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा देता है। भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि जिलाध्यक्ष के निर्देशन में जिले के सभी 23 मंडलों में मंडल प्रभारियों को प्रवास पर भेजा गया। इस दौरान बूथ समितियों की बैठकों को सक्रिय बनाने, संगठन को और अधिक मजबूत करने, डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों और बूथ सशक्तिकरण अभियान की रूपरेखा भी तैयार की गई। कार्यक्रम की मॉनिटरिंग जिला कार्यालय से की गई। इस अवसर पर मन की बात के जिला संयोजक नीरज सिंह, सह-संयोजक कुलदीप भदौरिया एवं ओम मिश्रा सहित मंडल पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष, बूथ समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

सक्षम स्थापना दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

दव्यांगों के विकास में सक्षम की भूमिका अहम: ओपी

प्रतापगढ़, संवाददाता। क्षेत्रीय ग्राम विकास संस्थान अफीम कोठी में आयोजित सक्षम स्थापना दिवस के मौके पर बतौर मुख्य वक्ता मौजूद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक ओम प्रकाश ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि दिव्यांगों के विकास मे सक्षम की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि सक्षम की स्थापना दिव्यांगों की सहायता व सेवा के लिए समदृष्टि क्षमता विकास अनुसंधान मंडल सक्षम की स्थापना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सक्षम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कमलाकांत ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता काशी प्रांत के अध्यक्ष योगेंद्र वाजपेई ने किया। कार्यक्रम में काशी प्रांत की महिला अध्यक्ष राधा सिंह, जिला दिव्यांग कल्याण अधिकारी सहित आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव रंजय मिश्रा ने किया। इस मौके पर अजीत सिंह प्रयाग दत्त तिवारी, महिला प्रमुख माधुरी सिंह,उपसचिव सरोज सिंह,उपाध्यक्ष शेषनारायण मिश्र, जमुना प्रसाद मिश्रा, कुंडा सर्वेश कुमार मिश्र एवं अमित कुमार मिश्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक के जिला कार्यवाह हेमंत ,नगर प्रचार प्रमुख धीरज, अंजली श्रीवास्तव, रीना देवी सहित आदि मौजूद रहे।

मानसून की बेरुखी से तप रहा जिला, उमस ने बढ़ाई मुश्किलें

➲ जून अंतिम दौर में, बारिश का इंतजार कर रहे लोग व किसान

फतेहपुर, (संवाददाता)। जून माह अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है, लेकिन मानसून की बेरुखी के चलते जनपद में भीषण गर्मी और उमस का कहर लगातार जारी है। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह से ही तेज धूप लोगों को झुलसा रही है, जबकि उमस के कारण दिन भर लोग पसीने से तरबतर रहे। रविवार सुबह हुई हल्की बूंदाबांदी ने राहत की उम्मीद तो जगाई, लेकिन कुछ ही देर बाद उमस और बढ़ गई, जिससे लोगों की परेशानी दोगुनी हो गई। तेज गर्मी का सबसे अधिक असर बच्चों, बुजुर्गों और दैनिक मजदूरी करने वाले लोगों पर पड़ रहा है। दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आ रही हैं और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। रात में भी उमस कम न होने से लोगों की नींद पूरी नहीं हो पा रही है। कूलर और पंखे भी गर्म हवा फेंक रहे हैं, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल रही। मानसून की देरी ने किसानों की चिंता भी बढ़ा दी है। खेत बारिश का इंतजार कर रहे हैं और किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बादलों के बरसने की राह देख रहे हैं। समय पर बारिश नहीं होने से खरीफ की फसलों, विशेषकर धान की बुवाई प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। किसान उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द मानसून सक्रिय होगा और खेतों में पानी पहुंचने से खेती का कार्य रफ्तार पकड़ेगा। भीषण गर्मी और उमस के चलते मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ने लगा है। अस्पतालों में बुखार, डिहाइड्रेशन और अन्य गर्मी जनित समस्याओं से पीड़ित मरीजों की संख्या में इजाफा देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लोगों को दोपहर की तेज धूप से बचने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दे रहे हैं। जनपदवासियों की निगाहें अब आसमान पर टिकी हैं। हर कोई मानसून की पहली जोरदार बारिश का इंतजार कर रहा है, ताकि तपती धरती को राहत मिले, जनजीवन सामान्य हो और किसानों की उम्मीदों को नया सहारा मिल सके।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत

फतेहपुर, (संवाददाता)। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में 55 वर्षीय अधेड़ की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रामपुर गांव निवासी रामविशाल का पुत्र रामनरेश ने संदिग्ध अवस्था में घर के अन्दर मौत हो गयी। सूचना पाकर घटनास्थल पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। वहीं पोस्टमार्टम हाउस में आये मृतक के बड़े भाई उमेश चन्द्र पाल के अनुसार उसके भाई ने फांसी लगाने से पहले घर के दरवाजे चारो तरफसे बन्द पहले गैस सिलेंडर से गैस निकाल और आग लगाने के बाद फांसी पर लटक गया। वहीं पुलिस के अनुसार मामला संदिग्ध लगता है। पोस्टमार्टम रिपोट के बाद ही घटना की हकीकत सामने आयेगी।

रोड पर गिरे पेड़ से टकराई बाइक, सगे भाइयों की मौत

फतेहपुर, (संवाददाता)। किशनपुर थाना क्षेत्र के असोथर मार्ग पर बरैची गांव के समीप पड़ा अधकटे पेड़ ने दो सगे भाइयों की जान ले ली। दोनों की मौत के बाद वन विभाग के प्रति लोगों में आक्रोश है। वहीं परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार पिछले करीब सप्ताह भर पहले आए तेज तूफान की वजह से शीशम का पेड़ बीच सड़क पर गिर गया था। वन विभाग द्वारा पेड़ के तने को सड़क पर छोड़ दिया गया था। जो करीब आठ दिनों से सड़क पर पड़ा था। शनिवार की शाम सड़क पर पड़े तने ने दो सगे भाइयों की जान ले ली। बहियापुर मजरे रायपुर भसरौल गांव निवासी सुरेंद्र निर्मल बम्बई में रहकर कमाई करता था।

बीते शनिवार को वह अपने गांव वापस जा रहा था। जिसे बुलाने के लिए उसका छोटा भाई छोटू निर्मल बाइक लेकर विजयीपुर गया हुआ था। जहां से दोनों लोग बाइक से अपने गांव जा रहे थे। जैसे ही वह बरैची गांव के समीप पहुंचे की बीच सड़क पर में पड़े पेड़ के तने से बाइक टकरा गई। जिसमें दोनों लोग बुरी तरह से घायल हो गए। हादसे के बाद लोगों ने आनन-फानन में दोनों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरदो भेजा। जहां पर तैनात चिकित्सको ने बड़े भाई सुरेन्द्र को मृत घोषित कर दिया। जबकि छोटे भाई छोटू निर्मल की हालत को गम्भीर बताते हुए फतेहपुर के लिए रेफर कर दिया। जहां भोर पहर इलाज के दौरान छोटे भाई छोटू निर्मल ने भी दम तोड़ दिया।

सिंचाई विभाग की लापरवाही से सूख रहीं किसानों की उम्मीदें

➲ बीस दिनों से बंद सरकारी नलकूप, 18 बीघा गन्ना व धान की नर्सरी पर संकट

खागा, फतेहपुर, (संवाददाता)। विकास खंड विजयीपुर के अंतर्गत खरखर गांव में सिंचाई विभाग की उदासीनता किसानों पर भारी पड़ रही है। गांव का 122 किलोग्राम क्षमता वाला सरकारी नलकूप पिछले लगभग 20 दिनों से खराब होने के कारण बंद पड़ा है। मोटर और पंखे का धुरा टूटने के बाद विभागीय कर्मचारियों ने पूरा उपकरण खोलकर मौके पर ही छोड़ दिया, लेकिन अब तक नहर कॉलोनी स्थित कार्यशाला से वाहन नहीं पहुंचा। परिणामस्वरूप मरम्मत का कार्य अधूरा पड़ा है और किसानों की फसलें पानी के अभाव में सूखने लगी हैं। सरकारी नलकूप बंद होने से क्षेत्र के किसानों की लगभग 18 बीघा गन्ने की फसल बर्बादी की कगार पर पहुंच गई है। इसके साथ ही धान की नर्सरी भी सिंचाई के अभाव में सूख रही है। प्रभावित किसानों में मंटो, मूर्ति, अजय, नरेंद्र, नाथन, राजवंती

सहित अन्य किसानों की धान की नर्सरी तथा चुनुवा, सीखना, बाबूलाल, रामराज और जयचंद की गन्ने की फसल सबसे अधिक प्रभावित बताई जा रही है। नलकूप चालक रामनरेश ने बताया कि खराबी की सूचना समय रहते विभागीय अधिकारियों को दे दी गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। किसानों का आरोप है कि संबंधित अवर अभियंता आशीष कुमार ने भी मामले में गंभीरता नहीं दिखाई, जिससे किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में नलकूप चालू नहीं कराया गया तो गन्ने की फसल और धान की नर्सरी पूरी तरह नष्ट हो सकती है, जिससे किसानों को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ेगा। किसानों ने सिंचाई विभाग के उच्च अधिकारियों और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर नलकूप की मरम्मत कराने की मांग की है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि किसानों की सिंचाई सुविधा के लिए स्थापित यह सरकारी नलकूप आज उनके लिए सफेद हाथी बनकर रह गया है। समय पर मरम्मत न होने से विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल

साजिश का खुलासा: फर्जी बैनामे का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

फतेहपुर, (संवाददाता)। जमीन के फर्जी बैनामे और कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के एक और वांछित आरोपी को खागा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर फर्जी अभिलेख तैयार कर जमीन का अवैध तरीके से बैनामा कराया था। पूछताछ में आरोपी ने पूरे षड्यंत्र का खुलासा करते हुए अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना खागा पुलिस ने मुकदमा संख्या 84/2026 में वांछित अभियुक्त रवि कुमार पुत्र कंचनलाल, निवासी शिशु मंदिर कॉलोनी भरवारी थाना कोखराज जनपद कौशांबी को आरटीओ कार्यालय के पास ग्राम कोर्रई थाना मंझनपुर कौशांबी से गिरफ्तार किया। रविवार को उसे न्यायालय में पेश कर दिया गया। पुलिस पूछताछ में रवि कुमार ने बताया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर खागा कस्बे स्थित एक भूमि के संबंध में फर्जी दस्तावेज तैयार कराए।

उसने अपने साथी हीरालाल को असली भू-स्वामी योगेन्द्र दत्त त्रिपाठी बनाकर कूटरचित कागजात तैयार कराए और उसी के आधार पर जमीन का बैनामा पहले संजय कुमार के नाम कराया। इसके करीब 25 दिन बाद उसी जमीन का दोबारा बैनामा संजय कुमार से अपने नाम करा लिया। आरोपी ने पूरे घटनाक्रम में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

लखनऊ अग्निकांड पर पूर्व सैनिकों का फूटा आक्रोश

➲ समिति ने अस्पतालों-होटलों की सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल, आंदोलन की चेतावनी

फतेहपुर, (संवाददाता)। रविवार को पूर्व सैनिक उत्थान एवं लोक कल्याण समिति की मासिक बैठक समिति की अध्यक्ष साधना सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत लखनऊ अग्निकाण्ड में जान गंवाने वाले विद्यार्थियों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करने से हुई। साथ ही शोकाकुल परिवारों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। बैठक को संबोधित करते हुए समिति की पदाधिकारी सुमन मौर्य ने कहा कि ऐसी दर्दनाक घटनाएं केवल हादसे नहीं बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम हैं।

उन्होंने कहा कि जिम्मेदार अधिकारी यदि सुरक्षा मानकों का ईमानदारी से पालन कराएं तो मासूम जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि जिन माता-पिता ने अपने बच्चों को बेहतर भविष्य के सपने के साथ पढ़ने भेजा था, उनके दर्द की कल्पना भी नहीं की जा

सकती। महिला अध्यक्ष जागृति तिवारी ने कहा कि जिले भी अग्नि सुरक्षा के मामले में सुरक्षित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले के कई अस्पतालों और होटलों में राष्ट्रीय भवन सुरक्षा मानकों एवं अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। आग अथवा भूकंप जैसी आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी की पर्याप्त व्यवस्था भी अधिकांश संस्थानों में नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित विभागों द्वारा अनियमित तरीके से अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं, जबकि कई भवनों में अग्निशमन यंत्र तक उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रशासन ने सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन नहीं कराया तो पूर्व सैनिक उत्थान एवं लोक कल्याण समिति एवं महिला संगठन संयुक्त रूप से जनांदोलन शुरू करेंगे। संगठन की मांग है कि सभी अस्पतालों, होटलों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। बैठक में सरोज शर्मा, माया देवी, सुनीता यादव, मीरा मिश्रा, पुष्पा तिवारी, मीरा देवी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व संध्या पर मनाई भामाशाह की 479 वीं जयंती

फतेहपुर, (संवाददाता)। अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद ने पूर्व संध्या पर राष्ट्रभक्त दानवीर भामाशाह का 479 वां जन्म दिवस मनाकर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया गया।

अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद द्वारा कृष्णा लाज में आयोजित विचार गोष्ठी में राष्ट्रभक्त दानवीर शिरोमणि भामाशाह जी का 479 वां जन्म दिवस पर उनके तैलीय चित्र पर माल्यार्पण कर मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिषद के जिलाध्यक्ष अरूण जायसवाल एडवोकेट ने कहा कि आज हम सभी ऐसे महापुरूष का जन्म दिवस मना रहे हैं जिन्होने अपनी सात पीढियो का संचित धन राष्ट्र रक्षा हेतु राष्ट्र के स्वतंत्रता सेनानियों वीरवर महाराणा प्रताप को सविनय पूर्वक समर्पित कर दी थी। जो समाज के लिये अनुकरणीय है। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रधान महासचिव विनोद कुमार गुप्त ने कहा कि 28 जून 1547 को मेवाड राजस्थान में जन्मे दानवीर शिरोमणि भामाशाह महाराणा प्रताप के अच्छे मित्र व सलाहकार थे।

समाज सभा के मेधावियों को किया गया सम्मानित

➲ शिक्षित समाज ही देश में निभा सकता है अग्रिणी भूमिका: रोशनलाल

प्रतापगढ़, संवाददाता। जिला उमरवैश्य समाज सभा प्रतापगढ़ द्वारा आयोजित 21वें छात्र-छात्रा सम्मान समारोह चिलबिला स्थित उमरवैश्य धर्मशाला में राम अजोर उमरवैश्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम के अतिथि राम उमरवैश्य रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज सभा के संरक्षक समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य व समाज सभा के अध्यक्ष गुलाब चंद्र,राम अजोर,श्रीराम, लक्ष्मी नारायण ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित किया। आए हुए छात्र-छात्रों ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। समाज सभा के संरक्षक समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने बताया कि आज 128 छात्र-छात्राओं को सम्मानपत्र, मेडल, उपहार देकर सम्मानित किया गया। जिसमें 70 हाई स्कूल व 58 इंटर के छात्र को सभी को समाज के पदाधिकारीयों ने सम्मानित किया और सभी मेधावियों को बहुत-बहुत बधाई दी गई। इसी क्रम में समाज के जिन बच्चों ने

सरकारी नौकरी प्राप्त की थी उनमें हरिओम उमरवैश्य पृथ्वीगंज पट्टी का चयन उत्तर प्रदेश औषधि प्रयोगशाला एवं स्वप्निल उमरवैश्य जेई बिजली विभाग के लिए हुआ।

हरिओम व स्वप्निल को समाज सभा की तरफ से माल्यार्पण कर गोल्ड मेडल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त तीन बच्चों ने सरकारी एवं एडवोकेट की उपलब्धि प्राप्त की थी उन्हें भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री राम ने कहा कि समाज सभा का यह 21वां छात्र-छात्रा सम्मान समारोह ऐतिहासिक रहा। मेधावियों को सम्मान देकर सभी का उत्साह बढ़ाया गया है। समाज सभा के अध्यक्ष गुलाबचंद उमरवैश्य ने कहा कि यह बच्चे देश में समाज और जिले का नाम रोशन करेंगे। प्रतापगढ़ से शुरू हुए इस सम्मान को अब देश के कोने-कोने में समाज के पदाधिकारी कर रहे हैं। शिक्षित समाज ही इस देश में अग्रिणी भूमिका निभा सकता है।समाज सभा के पूर्व अध्यक्ष राम अजोर ने कहा कि आप सबको सम्मानित करने से हम सब गौरवान्वित हैं। आप सब आगे बढ़े और समाज का नाम रोशन करें। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री मदनलाल व स्वप्निल उमरवैश्य द्वारा किया गया। आभार ज्ञापन समाज सभा के कोषाध्यक्ष कैलाश मैनेजर द्वारा किया गया। विचार रखने वालों में श्री राम जी, कोषाध्यक्ष कैलाश मैनेजर, देवेंद्र गुप्ता, डॉ0 श्याम, जवाहरलाल बच्चा, मदनलाल, गुलाबचंद, आनंद उमरवैश्य, अमित कुमार, राजेश कुमार, लालता प्रसाद, शिव विलास, जीत लाल, रमेश मेडौली, महादेव, अरविंद कुमार, अजय कुमार, हनुमान प्रसाद, विश्वनाथ, राजकुमार, भारत लाल, श्यामलाल, गोवर्धन दास, सचिन, अमन गुप्ता, तेजस गुप्ता महिला सभा की अध्यक्ष पूनम गुप्ता, महामंत्री रेखा उमरवैश्य, स्वाति उमरवैश्य, अनन्या आदि सैकड़ो की संख्या में समाज के पदाधिकारी व अभिभावक एवं छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की।

तीन टोल प्लाजों पर चला ड्रंक एंड ड्राइव अभियान

फतेहपुर, (संवाददाता)। सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाते हुए जिले के तीन प्रमुख टोल प्लाजों पर विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में शनिवार-रविवार की रात बहुआ टोल प्लाजा थाना ललौली, कल्याणपुर टोल प्लाजा और कटोघन टोल प्लाजा थाना खागा पर चलाए गए अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने शराब पीकर वाहन चलाने, मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न, हूटर तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की गहन जांच की। कार्रवाई में ड्रंक एंड ड्राइव के चौदह चालान किए गए, जबकि मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न एवं अन्य उल्लंघनों के दस चालान काटे गए। वहीं शराब के नशे में वाहन चलाने के एक मामले में वाहन को सीज़ भी कर दिया गया। चेकिंग के दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात एवं यातायात प्रभारी स्वयं मौके पर मौजूद रहे।

सभी 15 मंडलों के समस्त बूथों पर सुना गया मन की बात का 135वां संस्करण

➲ मन की बात देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री के आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम: महानगर अध्यक्ष

प्रयागराज, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 135 वें संस्करण को भाजपा प्रयागराज महानगर के सभी 15 मंडलों के समस्त बूथों पर सुना गया। पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने अपने अपने बूथों पर मन की बात कार्यक्रम में सहभागिता की। महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सिविल लाइन मंडल के बूथ संख्या 183 पर, शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने राजापुर स्थित अपने आवास पर पार्षद श्याम चंद्र हेला, अंगद पटेल आदि कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुना। काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, महानगर उपाध्यक्ष आनंद सोनकर, अनुज कुशवाहा, आनंद श्रीवास्तव, महामंत्री डॉ शैलेश पांडेय, रमेश पासी व विक्रम भदौरिया ने कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुना। महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि मन की बात के इस 135 वें संस्करण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्य रूप से आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी रक्षा उपकरणों (आईएनएस दूल्हा गिरी आदि) और मेड-इन-इंडिया सी-295 विमानों की सफलताओं का जिक्र किया। इसके अलावा पीएम मोदी ने नागालैंड की फुटबॉल लीगों, विश्व योगासन चौंपियनशिप में भारत के प्रदर्शन और गांवों में लोगों की भलाई के लिए किए जा रहे सामुदायिक प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने पश्चिम एशिया की स्थिति पर गंभीर चर्चा की और संयम की अपील की। उन्होंने सोना खरीदने से बचने, विदेश यात्रा टालने, कार पूलिंग और पेट्रोल-डीजल बचाने की सलाह दी। किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आग्रह किया। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि मन की बात देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री के आत्मीय संवाद का सशक्त माध्यम बन चुका है। जिला मंत्री विजय श्रीवास्तव, अजय सिंह, अनिल गोस्वामी, शोभिता श्रीवास्तव, शिखा रस्तोगी, नवाब खान, राजेश गोंड ,वंदना शर्मा, कंचनलता, दीप द्विवेदी, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा, शुभम सिंह, प्रवीण भारती, सुजीत कुशवाहा, मोहित गुप्ता, मो. शरीफ़ विश्वास श्रीवास्तव, आशीष द्विवेदी, मयंक दुबे सहित संगठन के सभी मोर्चा प्रकोष्ठों तथा विचार परिवार के सदस्यों ने मन की बात कार्यक्रम में सहभागिता की।

रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम को मिला डायमंड क्लब का सर्वोच्च सम्मान

➲ डॉ. प्रतीक पाण्डेय बने डायमंड प्रेसिडेंट

प्रयागराज, (संवाददाता)। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3120 के वार्षिक सम्मान समारोह 'अलंकरण' का आयोजन नंदगांव रिजॉर्ट वाराणसी में सम्पन्न हुआ। इस समारोह में डिस्ट्रिक्ट के लगभग 100 क्लबों से 600 से अधिक रोटेरियनों ने भाग लिया। वर्ष भर किए गए सेवा कार्यों, सामाजिक परियोजनाओं एवं उत्कृष्ट नेतृत्व के आधार पर विभिन्न क्लबों और पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि यह समारोह रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण रहा। अध्यक्ष डॉ. प्रतीक पाण्डेय एवं सचिव संजय तलवार के नेतृत्व में क्लब ने सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त कर पूरे डिस्ट्रिक्ट में अपनी उत्कृष्ट पहचान स्थापित की। रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम को पहली बार 'डायमंड क्लब ऑफ डिस्ट्रिक्ट 3120' का प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। वहीं क्लब के अध्यक्ष डॉ. प्रतीक पाण्डेय को वर्षभर के उत्कृष्ट नेतृत्व, प्रभावशाली सेवा कार्यों एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए 'डायमंड प्रेसिडेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। क्लब ने विभिन्न श्रेणियों में अनेक अन्य सम्मान भी अपने नाम किए। इसके साथ ही रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के दो सदस्यों डॉ. शरद जैन एवं डॉ. प्रतीक पाण्डेय ने रोटरी फाउंडेशन के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा के लिए 10-10 हजार डॉलर का योगदान देकर मेजर डोनर बनने का गौरव प्राप्त किया। रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम को रोटरी फाउंडेशन में सर्वाधिक आर्थिक योगदान देने वाले क्लब का सम्मान भी प्राप्त हुआ। वहीं अजय शर्मा को उनके उत्कृष्ट एवं समर्पित कार्यों के लिए 'बेस्ट डिस्ट्रिक्ट ऑफिस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। समारोह में रोटरी प्रयागराज प्लैटिनम के लगभग 30 सदस्यों ने सहभागिता की। प्रमुख रूप से डॉ. प्रतीक पाण्डेय, डॉ. रजनी शुक्ला, रितेश सिंह, पीयूष अग्रवाल, अजय शर्मा, संदीप कात्याल, डॉ. शरद जैन, संजय तलवार, एकता तलवार, नितिन चोपड़ा, संदीप जैन, अल्पना शर्मा, ज्योति सिंह, प्रमय मित्तल, जया मित्तल, जय कुमार, ज्योति गुप्ता, पंकज गुप्ता, नितिन शर्मा, दीपक गुप्ता, संजय सिंह, मनीष गर्ग, आशुतोष सिंह, विकास नारंग, सर्वेश पाल, प्रमोद बंसल, सुब्रत राउत, विकल्प अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

उमरे अधिकारी एकादश ने 3-2 से जीती सीरीज

प्रयागराज, (संवाददाता)। आकाश श्रीनेत्र के शतक (104 रन नाबाद, 56 गेंद) के दम पर उत्तर मध्य रेलवे अधिकारी एकादश ने पूर्व क्रिकेटर एकादश को 7 विकेट से हराकर पांच मैचों की निर्वाणानंद कनेक्टिंग हैप्पीनेस क्रिकेट सीरीज में 3-2 से कब्जा जमा लिया। डीएसए मैदान पर शनिवार को खेले गए सीरीज के अंतिम लीग मैच में पूर्व क्रिकेटर एकादश ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 176 रन (शैलेंद्र सिंह 86, कौशिक पाल 25, नितिन सिब्बल 20 रन आदि ने) बनाए। जवाब में उत्तर मध्य रेलवे अधिकारी एकादश ने 16.2 ओवर में तीन विकेट पर 180 रन (आकाश श्रीनेत्र 104 नाबाद, राहुल सिंह 58, आदि ने) बना लिए। एनसीआर टीम के अधिकारियों और पूर्व रणजी क्रिकेटर आशीष विंस्टन जैदी ने पुरस्कार वितरित किए। आकाश श्रीनेत्र को मैन ऑफ द मैच, राहुल सिंह को बेस्ट बैटर, एसबी शरण और सत्येंद्र कुमार को बेस्ट बॉलर, रणविजय सिंह को बेस्ट फील्डर, कौशिक पाल को बेस्ट विकेटकीपर एवं डॉ.परवेज अहमद को मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। आयोजन सचिव विमलेश सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित एवं जावेद अहमद ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर अभिषेक सिंह, विवेक सिंह, राकेश मिश्र, अनूप सिंह, दिलीप यादव, सुशील ओझा, अमित सिंह आदि मौजूद रहे।

मन की बात

सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के लिए समाज को प्रेरित करता है: राजेश शुक्ला

1615 बूथों पर गूंजा 'मन की बात' का संदेश, यमुनापार में संगठन और सेवा का संगम

प्रयागराज, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज यमुनापार में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें संस्करण का श्रवण जिले के 1615 नवीन बूथों पर सामूहिक रूप से किया गया। कार्यक्रम के उपरांत सभी बूथों पर बूथ समिति की बैठक, ई-लर्निंग प्रशिक्षण तथा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण भी किया गया। यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने चाका मंडल के बादलगंज स्थित बूथ संख्या 121 पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात सुनी। इसके बाद उन्होंने बूथ समिति की बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को ई-लर्निंग प्रशिक्षण दिलाया तथा पौधारोपण किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम समाज को सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करता है। बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय, प्रशिक्षित और सेवा कार्यों से जोड़ना भाजपा की कार्यपद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मन की बात के जिला संयोजक एवं जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने नारीबारी के बूथ संख्या 296, झंझरा चौबे चतुर्वेदी मार्केटिंग अन्नदाता किसान सेवा केंद्र पर किसानों के साथ कार्यक्रम सुना। दिलीप चतुर्वेदी ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक संवाद नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक को विकास, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और जनसेवा से जोड़ने का प्रभावी माध्यम है। भाजपा कार्यकर्ता इस प्रेरणा को बूथ स्तर तक पहुंचाकर जनभागीदारी को और मजबूत करेंगे। दिलीप चतुर्वेदी ने बताया कि यमुनापार जिले के कोरांव में 421, करछना में 396, बारा में 405 तथा मेजा में 393 बूथों सहित कुल 1615 नवीन बूथों पर कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने समूहों के साथ मन की बात सुनी। इसके उपरांत बूथ समिति की बैठक आयोजित कर संगठनात्मक विषयों की समीक्षा की गई तथा ई-लर्निंग प्रशिक्षण भी सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिला कार्यालय मंत्री आनंद तिवारी, मंडल प्रभारी अमित पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष राकेश सिंह, सोशल मीडिया जिला संह संयोजक मिथिलेश पांडेय, सुभाष चन्द्र चतुर्वेदी, दिव्याशू चतुर्वेदी, लाला केसरवानी, अभिषेक त्रिपाठी, बूथ अध्यक्ष अमर सिंह पटेल, अभिषेक सिंह सहित शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ समिति के कार्यकर्ता, प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे।

नवनियुक्त भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष का अल्पसंख्यक मोर्चा ने किया स्वागत

प्रयागराज, (संवाददाता)। भाजपा प्रयागराज महानगर अल्पसंख्यक मोर्चा ने रविवार को नवनियुक्त भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ कीर्तिका अग्रवाल का उपाध्यक्ष बनने के बाद लखनऊ से प्रथम नगर आगमन पर सुभाष चौराहे पर भव्य स्वागत अभिनंदन किया। भाजपा मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा ने बताया कि मोर्चा के महानगर अध्यक्ष नवाब खान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने डॉ कीर्तिका अग्रवाल को पुष्पगुच्छ व माला भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया। मोर्चा अध्यक्ष नवाब खान ने कहा कि भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने मातृ शक्ति को जो सम्मान दिया है वो आज तक अन्य दलों ने कभी नहीं दिया। सबका साथ सबका विकास के मार्ग पर चलते हुए भाजपा 2027 में पुनः विजय प्राप्त करेगी। नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ कीर्तिका अग्रवाल ने मोर्चा कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर मोर्चा के महानगर अध्यक्ष नवाब खान, बिलाल अहमद, मोहम्मद मुजीब, फैज़ान अहमद, राशिद राइन, असमत कमाल, मुसतफ़ा टिंकी, शमसुल कमर, इमरान सिद्दीकी, पप्पू, एखलाक हुसैन, मोहम्मद आरिफ़ सरदार कमाल सिंह, जसवीन्दर सिंह, मोहम्मद नाजिम, शाहनवाज़ आलम, मोहम्मद सलीम, मंजू खान ,अकरम नेता, इदरीस अहमद आदि उपस्थित रहे।

महर्षि भारद्वाज चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एसोसिएशन के न्यासी मंडल की बैठक

प्रयागराज, (संवाददाता)। महर्षि भारद्वाज चार्टर्ड एकाउंटेंट्स एसोसिएशन के न्यासी मंडल की बैठक रविवार की सायं पन्नालाल रोड, प्रयागराज में हुई। संगठन के गठनकर्ता सीए एस.सी. कक्कड़, संस्था के अध्यक्ष नवीन चंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ल, सचिव शिव भूषण पाठक तथा कोषाध्यक्ष पल्लवी जैन हैं। संस्था अध्यक्ष वरिष्ठ सीए डॉ नवीन चंद्र अग्रवाल ने बताया कि प्रयागराज महर्षि भारद्वाज के नाम से आदिकाल से अध्ययन अध्यापन एवं शोध के लिए जाना जाता रहा है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर संस्था के नाम में शामिल किया गया है। संस्थान का लक्ष्य चार्टर्ड एकाउण्टेंटों को अध्ययन एवं संवाद द्वारा अर्जित ज्ञान से राष्ट्र का विकास एवं लोक कल्याण किया जा सके। इस भाव को लेकर संस्था का गठन किया गया है। संस्था का ध्येय वाक्य 'परस्परम् भावयंतः श्रेयः परमवाप्स्यथ' है। यह गीता के अध्याय 3 श्लोक 11 से लिया गया है। उन्होंने कहा कि संस्था मुख्य रूप से सदस्य के रूप में चार्टर्ड अकाउंटेंट को जोड़ेगी तथा परस्पर ज्ञान के साथ-साथ समाज के उत्थान के लिए सरकार की नीतियों को स्पष्ट करने के साथ-साथ उन्हें अधिनियमों का पालन करने के लिए नैतिक रूप से प्रेरित करेगी। भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन चुकी है और विश्व विभिन्न विषयों के लिए भारत की ओर देख रहा है। ऐसे में चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका कई गुना बढ़ जाती है। संस्था सचिव शिव भूषण पाठक ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति भारतरत्न एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था की चार्टर्ड अकाउंटेंट राष्ट्र निर्माण के सहभागी हैं। अभी विगत दिनों भारत मंडपम् मे बोलते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि चार्टर्ड अकाउंटेंट वित्तीय विश्वास के अभिरक्षक हैं। इस एसोसिएशन द्वारा विभिन्न उद्देश्यों हेतु समय-समय पर विचार गोष्ठी आयोजित कर उद्यमी व्यापारी एवं समाज को लाभान्वित किया जाएगा। सभा के अंत में सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं राष्ट्रीय गीत वन्देमातरम् के साथ समाप्त किया गया।

दारागंज व्यापार मंडल का हुआ पुनर्गठन

प्रयागराज, (संवाददाता)। दारागंज व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप रस्तोगी का स्वर्गवास पिछले वर्ष हो गया था, जिसके उपरांत रविवार को पुनः दारागंज व्यापार मंडल की नई टीम गठित हुई। दारागंज स्थित एक होटल में प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राणा चावला के नेतृत्व में सर्वसम्मति से पुनर्गठन हुआ। यह जानकारी मीडिया प्रभारी अकरम शगुन ने देते हुए बताया कि इस अवसर पर सुशील भारती को अध्यक्ष, किशन खेड़ा को महामंत्री, उपाध्यक्षगण शेखर गुप्ता, गुलाब दुबे, अमित गुप्ता, गुलाब गुप्ता, कोषाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ला, सह कोषाध्यक्ष मोहन वैश एवं सोनू माली, कानूनी सलाहकार श्याम बाबू चतुर्वेदी, सर्व दिवाकर श्रीवास्तव, गौरव नांगिया, मिडिया प्रभारी हिमांशु गुप्ता को नियुक्त किया गया। संरक्षक के रूप में पूर्व महामंत्री रविन्द्र गिरी, मदन मोहन एवं डॉ रमेश गुप्ता रहेंगे। प्रयाग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राणा चावला ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। इस अवसर पर सरदार प्रीतम सिंह, सरदार जतिंदर सिंह, महमूद अहमद खान, धनंजय सिंह, शुभम् केसरवानी, पार्षद साहिल अरोड़ा, निरजनी अखाड़े के मैनेजर मनोज मिश्रा, अवधेश यादव, डॉ आशीष यादव, मनीष गिरी, आदर्श शुक्ला, सोमनाथ मिश्रा, दिनेश श्रीवास्तव एवं दारागंज से भारी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

पुरुष और महिला साक्षरता में 13 प्रतिशत के अंतर को समाप्त करना होगा: दिव्यकांत शुक्ला

➲ रानी रेवती देवी में पंच दिवसीय प्रांतीय बालिका प्रशिक्षण वर्ग

प्रयागराज, (संवाददाता)। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष दिव्यकांत शुक्ल ने बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं बालिका शिक्षा के संदर्भ में कहा कि एनईपी के अंतर्गत वर्ष 2030 तक समस्त बालिकाओं को शिक्षित करने का लक्ष्य है। आज भी पुरुष और महिला साक्षरता में 13 प्रतिशत का अंतर है जिसे समाप्त करना होगा।

विद्यालय के संगीताचार्य एवं मीडिया प्रभारी मनोज गुप्ता ने बताया कि भारतीय शिक्षा समिति, पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र (काशी प्रांत) के तत्वावधान में रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज, राजापुर में पंच दिवसीय प्रांतीय बालिका प्रशिक्षण वर्ग शुभारम्भ शनिवार की सायं शुभारम्भ हुआ। जिसमें रासबिहारी विश्वकर्मा ने कहा कि विद्या भारती का लक्ष्य आने वाली पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करना है।

उन्होंने बताया कि आयोजन प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह के संयोजन एवं क्षेत्रीय बालिका शिक्षा प्रभारी उमाशंकर मिश्र के नेतृत्व में किया जा रहा है। अतिथियों का परिचय प्रधानाचार्य सतीश कुमार सिंह ने कराया। तृतीय सत्र में संदीप गुप्ता ने पीपीटी के माध्यम से एनईपी की जानकारी दी। पूर्व प्रधानाचार्या मीना श्रीवास्तव ने परिषदों एवं कन्या भारती के गठन के बारे में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बहनों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। मनोज गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग में काशी प्रांत के विभिन्न जिलों से महिला शिक्षिकाएं एवं बालिकाएं प्रतिभाग कर रही हैं। पांच मूल विषयों के माध्यम से सर्वांगीण विकास पर कार्य किया जाएगा। आभार ज्ञापन प्रांत प्रमुख बेबिका शर्मा ने तथा कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्या रेनू सिंह ने किया।

हमजा का बहुमुखी खेल, फारिक गेंदबाजी में चमके

प्रयागराज, (संवाददाता)। मोहम्मद हमजा खान (64 रन एवं तीन विकेट) और मोहम्मद फारिक अली (5-1-21-5) के खेल से दौलत हुसैन इंटर कॉलेज ने शुआट्स क्लब को 71 रन से हराकर शुआट्स टैलेंट हंट अंडर-12 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बना ली। एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी मैदान पर रविवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में दौलत हुसैन इंटर कॉलेज ने 25 ओवर में तीन विकेट पर 222 (मोहम्मद हमजा खान 64 नाबाद, मोहम्मद अली 43 नाबाद, शाकिर 41, अबु बकर 36, अरिकेत सिंह, मोहम्मद हम्माद, अल बशर अली एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में शुआट्स क्लब की टीम 25 ओवर में 151 (वाहे मिश्रा 51, नरहरि दीक्षित 33, साहिल 20, अल बशर अली 18, मोहम्मद फारिक अली 5-21, मोहम्मद हमजा खान 3-31) ही बना सकी।

जायान ने डीएसए ब्लू को दिलाई जीत

प्रयागराज, (संवाददाता)। जायान के खान के खेल (69 रन एवं एक विकेट) से डीएसए ब्लू ने डीएसए क्लब बी को 41 रन से हराकर क्रिकेट स्कूल शगुन स्पोर्ट्स ट्रॉफी अंडर-12 क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किए। डीएसए मैदान पर रविवार को खेले गए मैच में डीएसए ब्लू ने 25 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन (जायान खान 69, हमजा इकबाल 30, अर्णव 25 नाबाद, आर्यन गुप्ता 2-27, अविक्षित यादव 2-36, आदित्य प्रजापति 1-27) बनाए। जवाब में डीएसए क्लब बी ने 25 ओवर में 8 विकेट पर 152 रन (अर्णव 34, अथर्व गुप्ता 25, अविक्षित यादव 20, अंश कुमार 2-27, जायान खान, सूरत कुशवाहा व गुलाम कादिर एक-एक विकेट) पर सिमट गई। जायान खान को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

रोग बिना दवा कैसे होगा दूर, दवाइयां भरोसेमंद नहीं: सतीश

प्रयागराज, (संवाददाता)। दवाइयां भी अब भरोसेमंद नहीं रही। अस्वस्थ होने पर या नकली खाद्य पदार्थ के सेवन से शरीर में उत्पन्न होने वाली बीमारियों से ठीक होने के लिए जो दवा खा रहे हैं और बीमारी ठीक न हो तो क्या करें। यह बातें एसकेआर योग एवं रेकी शोध प्रशिक्षण और प्राकृतिक संस्थान प्रयागराज रेकी सेंटर पर पर जाने-माने स्पर्श चिकित्सक सतीश राय ने स्पर्श-ध्यान कार्यक्रम में बीमारीयों पर व्याख्यान देते हुए बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के एजेंसी द्वारा वर्ष 2026 की एक रिपोर्ट के अनुसार जनवरी में 210, फरवरी में 217, मार्च में 190, अप्रैल में 121, मई में 157, नामी कम्पनियों की दवाएं गुणवत्ता टेस्ट में फेल पाई गई। यह आज तक की न्यूज़ के आंकड़े हैं। अर्थात जो दवा खा रहे हैं, वो असर करे न करे, पर जेब और जिगर दोनों पर वार कर रही है। शरीर के लिए यह धीमा जहर है। इमरजेंसी में एलोपैथी दवा जीवनदायिनी है। वर्तमान में इस पर सबसे ज्यादा रिसर्च होने के कारण यह सभी पद्धतियों से बेहतर है। सतीश राय ने कहा बुखार, खांसी, खून की कमी, विटामिन की कमी, एलर्जी, बीपी, शुगर, डिहाईड्रेशन की दवा मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। चोट लगने के बाद जो सर्जिकल स्प्रीट लगाते हैं वह भी गुणवत्ता में फेल पाई गई। भारत में हर साल एसिडिटी की 2500 करोड़ गोलियां लोग खाते हैं, बुखार की दवा पेरासीटामाल की 400 करोड़ गोलियों की खपत है।

खराब क्वालिटी की दवाइयों से कैसे दूर होगा रोग। दवा के नाम पर लोग धोखा खा रहे हैं, ब्रांडेड कम्पनियों पर लोग भरोसा न करें तो किस पर करें। सतीश राय ने कहा दवा व्यापार नहीं सेवा है दवा से धोखा जिंदगी से खिलवाड़ है। अमेरिका चीन के बाद सबसे ज्यादा फार्मा इंडस्ट्रीज भारत में है, 200 देश को दवा निर्यात होता है। पाँच लाख करोड़ का कारोबार होता है।

अब समय की मांग बदलाव है स्वस्थ रहने और इनसे बचने के लिए शुद्ध जीवन, शुद्ध दवा शुद्ध भोजन अर्थात लोगों को अब प्रकृति की ओर लौटना होगा-नकली दवा के भरोसे जिंदगी या प्रकृति के सहारे अच्छी निरोगी सेहत।

भानु प्रताप और मऊआइमा क्लब को मिली जीत

प्रयागराज, (संवाददाता)। भानु प्रताप स्पोर्ट्स क्लब और मऊआइमा क्लब ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर द्वितीय राम मूर्ति त्रिपाठी अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किए। सावित्री देवी क्लब मैदान पर रविवार को खेले गए पहले मैच में भानु प्रताप स्पोर्ट्स क्लब में 26.5 ओवर में 132 रन (आशुतोष प्रताप सिंह 37, महेश कुमार 24, आदित्य सिंह 17, अजीत निषाद 4-09, विराज पटेल 3-34, हर्षित सिंह 2-21) बनाए। जवाब में सावित्री देवी क्लब की पूरी टीम 29.1 ओवर में 119 रन (विवेक यादव 39, गौरव पटेल 17, आदित्य सिंह 3-17, वंश गुप्ता 2-20, शिवम कुमार 2-24) पर सिमट गई। ईश्वर शरण इंटर कॉलेज मैदान पर इलाहाबाद पब्लिक स्कूल ने 30 ओवर में 6 विकेट पर 196 रन (पीयूष मिश्रा 84, अमन सिंह 36, अन्वेष सिंह 28, रंजीत कुमार 2-31, मोहम्मद रेहान, शाद नसीम व बद्री विशाल पांडेय एक-एक विकेट) बनाए। जवाब में मऊआइमा क्लब ने 29 ओवर में 5 विकेट पर 199 रन (आशीष यादव 76, विकास कुमार 63, सचिन यादव 24 नाबाद, गर्वित 2-36, श्लोक चंद्रा 2-36) बना लिए।

जिला स्नूकर चैम्पियनशिप: हयात, आमिर ऋषि और अफजल सेमीफाइनल में

प्रयागराज, (संवाददाता)। हयात अहमद, आमिर रईस, ऋषि सोनी और अफजल कुरैशी ने अपने अपने मुकाबले जीतकर जिला स्नूकर चैम्पियनशिप के अंतिम चार में जगह बना ली है।रविवार को वेलकमहोटल बाय आईटीसी होटल प्रयागराज में चल रही प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल में हयात अहमद ने मोहम्मद अनस को 3-0 (54-43, 51-38, 70-61), आमिर रईस ने मोहम्मद फैजान को 3-1 (71-54, 66-46, 48-32), ऋषि सोनी ने पुष्पेंद्र सिंह को 3-1 (62-55, 36-21, 70-63) और अफजल कुरेशी ने कड़े मुकाबले में सामी इरफान को 3-2 (61-51, 70-64, 56-48) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

बचपन में देखती थीं ऑफिस ऑफिस, आज बनीं मुसद्दीलाल की बेटी

पंकज कपूर से अब तक नहीं हुई मुलाकात

एक्ट्रेस श्रुति शर्मा ने हाल ही में अमर उजाला से खास बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने अपने नए शो श्ऑफिस-ऑफिसश्, अभिनेता पंकज कपूर और अपने सपनों को लेकर चर्चा की। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा... कभी श्ऑफिस ऑफिसश् देखकर बड़ी हुईं श्रुति शर्मा आज उसी चर्चित फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं। अमर उजाला डिजिटल से बातचीत में उन्होंने अपने नए शो श्ऑफिस ऑफिस- चली मुसद्दीलाल की बेटीश, पंकज कपूर से मिलने की इच्छा, अपने किरदार अनोखी और सरकारी सिस्टम से जुड़े निजी अनुभवों पर खुलकर बात की। पढ़िए बातचीत में क्या कुछ रहा खास। एक दिन पंकज कपूर से मिलना जरूर चाहूंगी शो में मुसद्दीलाल की बेटी का किरदार निभा रहीं श्रुति शर्मा की एक ख्वाहिश अब भी अधूरी है। स्क्रीन पर जिस किरदार की विरासत को वह आगे बढ़ा रही हैं, उसके पीछे के कलाकार पंकज कपूर से उनकी अब तक मुलाकात नहीं हुई है। पंकज कपूर से मिलने की इच्छा जाहिर करते हुए श्रुति शर्मा ने कहा, श्अभी तक पंकज कपूर सर से मुलाकात नहीं हुई है। मैं उनके काम की बहुत बड़ी फैन हूं। दिल से चाहूंगी कि एक दिन उनसे मिलूं। मैं चाहती हूं कि वह यह शो देखें और मुझे बताएं कि उन्हें मेरा काम कैसा लगा। अगर वह मुझे कोई सलाह दें या अपना रिव्यू शेयर करें, तो वह मेरे लिए बहुत खास होगा। उम्मीद है कि कभी न कभी मुलाकात होगी। और अगर उन्हें मेरा काम पसंद आया, तो शायद उससे बड़ी तारीफ मेरे लिए कोई नहीं होगी।श् बचपन में 'ऑफिस ऑफिस' देखती थी, आज उसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा हूं 'ऑफिस ऑफिस' से श्रुति का रिश्ता नया नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले वह इसे टीवी पर देखती थीं और अब उसी कहानी का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, श्मुझे याद है कि जब मैं छोटी थी, तब 'ऑफिस ऑफिस' बहुत देखा करती थी। शो की यादें आज भी मेरे जहन में ताजा हैं। इसलिए कभी सोचा नहीं था कि एक दिन मुझे इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। मैं खुद को बहुत ग्रेटफुल मानती हूं।मैं चाहती हूं कि आज के बच्चे और युवा भी इस शो को उसी तरह याद रखें, जैसे हम पुराने 'ऑफिस ऑफिस' को याद रखते हैं। अगर हमारा काम लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला सके और वे इस शो से जुड़ाव महसूस करें, तो इससे ज्यादा खुशी की बात मेरे लिए कुछ नहीं होगी।श् मुसद्दीलाल हार जाते थे, लेकिन अनोखी हार नहीं मानती पुराने और नए ऑफिस ऑफिस के बीच सबसे बड़ा फर्क क्या है? इस सवाल पर श्रुति ने कहा, श्पुराने ऑफिस ऑफिस में हमने देखा कि मुसद्दीलाल हमेशा हालातों और करप्शन से लड़ते-लड़ते आखिर में हारकर वापस आ जाते थे। लेकिन इस बार हमारे शो में एक नया ट्विस्ट है। अनोखी उनकी बेटी जरूर है, लेकिन वह हारती नहीं है। ऑफिस वाले भले उसे कितने भी चक्कर कटवाएं या परेशान करें, लेकिन वह उन्हें सबक सिखाकर और जीत हासिल करके ही लौटती है। हर एपिसोड में ऑडियंस को उसका यही अंदाज देखने को मिलेगा। जिन्होंने अब तक ऑफिस ऑफिस में मुसद्दीलाल को हैरान-परेशान देखा है, वे अब अनोखी को सिस्टम से लड़ते और जीतते हुए देखेंगे।श् शो में सरकारी सिस्टम से भिड़ने वाली अनोखी की तरह श्रुति के पास भी एक ऐसा अनुभव है, जिसने उन्हें सरकारी प्रक्रियाओं की मुश्किलों का एहसास कराया। उन्होंने कहा, श्सरकारी कामों में तो ऐसा अनुभव लगभग हर किसी के साथ होता है। मुझे याद है कि एक बार मैंने अपने आधार कार्ड पर एड्रेस बदलवाने की कोशिश की थी। उस दौरान मुझे काफी परेशानी हुई। अपॉइंटमेंट ही नहीं मिल रहा था और मेरे भाई ने कई सरकारी ऑफिसों के चक्कर लगाए थे। एक वक्त पर हम काफी परेशान हो गए थे। मुझे लगता है कि ऐसे अनुभव बहुत कुछ सिखा जाते हैं। चाहे सरकारी संस्थान हो या प्राइवेट कॉरपोरेशन, कई बार प्रक्रियाएं उम्मीद से ज्यादा समय लेती हैं और काम पूरा होने में भी काफी वक्त लग जाता है।श् तकरीबन दो दशक बाद 'ऑफिस ऑफिस' नए अवतार में लौट रहा है। गौरतलब है कि पंकज कपूर अभिनीत 'ऑफिस ऑफिस' भारतीय टीवी जगत का एक आइकॉनिक शो रहा है। एक बार फिर वही जादू 'ऑफिस ऑफिस चली मुसद्दी की बेटी' के रूप में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। 25 मई से इस शो का प्रसारण दूरदर्शन नेशनल पर शुरू हो चुका है। दर्शक इस शो को वेव्स ओटीटी पर भी देख सकते हैं। शो का निर्माण ईगल फिल्म्स ने किया है, जबकि इसके निर्देशक राजन बाघधारे हैं। स्टोरी, स्क्रीनप्ले और संवाद मशहूर लेखक जोड़ी हीरेन्द्र झा और निमिषा दीक्षित ने लिखे हैं। हीरेन्द्र-निमिषा का इससे पहले दूरदर्शन पर एक और चर्चित शो 'दूर से नमस्ते' भी आ चुका है। हीरेन्द्र-निमिषा की किताब 'सेज रू सुनंदा पुष्कर की कहानी' भी बेहद लोकप्रिय रही है। इन दिनों यह जोड़ी कई फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी शो पर काम कर रही है। 'ऑफिस ऑफिस चली मुसद्दी की बेटी' के लेखक हीरेन्द्र झा से हुई बातचीत के प्रमुख अंश। सवालरू 'ऑफिस ऑफिस चली मुसद्दी की बेटी' के लिए बहुत बधाई आपको। कैसा रिस्पॉन्स आ रहा है? हीरेन्द्ररू बहुत बढ़िया रिस्पॉन्स मिल रहा है। देश के अलग-अलग हिस्सों से लगातार फोन आ रहे हैं। सभी बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। हमने बचपन में यह शो देखा था। इसके सभी किरदार, चाहे वो पंकज कपूर साहब हों, मनोज पाहवा हों या संजय मिश्रा, आज लेजेंड बन चुके हैं। एक लेखक के रूप में मेरे और निमिषा, हम दोनों दोस्तों के लिए इसके नए सीजन से जुड़ना गर्व की बात है। हमने पूरी कोशिश की है कि उसी जादू को नए और बदलते समय के हिसाब से फिर से रचा जा सके। उम्मीद है दर्शकों को यह शो काफी पसंद आएगा। सवालरू स्टार कास्ट के बारे में बताइए? हीरेन्द्ररू श्रुति शर्मा जितनी खूबसूरत हैं, उतनी ही टैलेंटेड भी हैं। उन्होंने अनोखी लाल मुसद्दी यानी मुसद्दी की बेटी का किरदार निभाया है। अनुषा मिश्रा भाटिया मैडम बनी हैं। कृष्णा भट्ट पांडे जी की भूमिका में हैं। किसलय शुक्ला ने जी का किरदार निभाया है। चारुल का किरदार गरिमा जैन ने किया है, जबकि पटेल की भूमिका सुमित अरोड़ा निभा रहे हैं। सभी कमाल के कलाकार हैं। पिछले सीजन में जो उषा जी थीं, उनका नाम हमने इस सीजन में बदलकर चारुल रखा है। भाटिया का किरदार पहले मनोज पाहवा साहब ने निभाया था, तो इस बार हमने एक ट्विस्ट रखा कि भाटिया का किरदार भी महिला पात्र हो। अनुषा ने इस भूमिका को बेहद शानदार तरीके से निभाया है। सवालरू यानी पूरा मजा आने वाला है? हीरेन्द्ररू बिल्कुल। देखिए, अगर टीम अच्छी हो, तभी शो अच्छा बनता है। हमारे डायरेक्टर राजन बाघधारे कॉमेडी के उस्ताद हैं। उनका विजन कमाल का है। उन्होंने हम राइटर्स से हमारा बेस्ट निकलवा लिया। राजन सर हमेशा अपने राइटर्स और एक्टर्स, दोनों का हौसला बढ़ाते हैं। उनके होने से इस शो में एक एक्स फैक्टर आ गया है, जिसे दर्शक शो देखते समय महसूस करेंगे। राजन सर जीनियस हैं और मैं आपको बताऊँ, हमारे प्रोड्यूसर उमेश मेहरा साहब भी एक लीजेंड हैं। उनका भी हमें पूरा सपोर्ट मिला। उन्होंने हम पर भरोसा किया और हमेशा हमारा उत्साह बढ़ाया। सवालरू शो के दौरान ऐसे कई यादगार पल भी होंगे, जो आप हमसे साझा करना चाहेंगे? हीरेन्द्ररू मुझे याद है, जब दूरदर्शन के लिए हमें इस शो का प्रस्ताव भेजना था। उन दिनों मैं अपने गांव में था। मेरे 90 वर्षीय पिताजी तीन साल से बिस्तर पर थे। वे बैठ भी नहीं पाते थे, इसलिए मेरा अधिकतर समय उनके साथ ही गुजरता था। मैं उन दिनों मुंबई में कम और गांव में ज्यादा रहता था। उसी दौरान इस शो के प्रस्ताव की बात आई। उसके बाद करीब दस दिनों तक मैं कमरे से बाहर भी नहीं निकला। बस बाबूजी को एक-दो बार जाकर देख लेता था। यह दुर्गा पूजा का समय था। अष्टमी के दिन आखिरकार हमने दूरदर्शन को प्रस्ताव भेजा। फिर एक गहरी सांस ली और बाबूजी को बताया कि दूरदर्शन में नए शो के लिए प्रस्ताव गया है, अब देखिए क्या होता है। बाबूजी बहुत खुश हुए। उन्होंने बड़े अपनेपन से कहा था, ष्मां भगवती की कृपा रही तो सब अच्छा होगा।ष् यह साल 2024 की बात है। अगले ही दिन यानी महानवमी को बाबूजी हम सबको छोड़कर चले गए। उनके जाने के तकरीबन डेढ़ साल बाद यह शो आया है। आज वो होते तो बहुत खुश होते। हमारा पिछला शो 'दूर से नमस्ते' के सारे एपिसोड उन्होंने देखे थे। सवालरू वाकई यह आपके लिए एक इमोशनल मोमेंट है। अपने दर्शकों से क्या कहना चाहेंगे? हीरेन्द्ररू 'ऑफिस ऑफिस चली मुसद्दी की बेटी' यानी हँसी-ठहाकों की पूरी गारंटी। दर्शकों को बहुत मजा आने वाला है। आपको हर किरदार से प्यार हो जाएगा। जेन जी पीढ़ी भी 'ऑफिस ऑफिस' जैसे आइकॉनिक शो को इस नए रूप में देखकर हमारे ऑफिस सिस्टम को समझ सकेगी। करप्शन से लड़ने की प्रेरणा मिलेगी और अनोखी की तरह सबको सबक सिखाने का हौसला भी मिलेगा। तो सोमवार से शुक्रवार रात साढ़े आठ बजे यह शो जरूर देखें। धन्यवाद!

शकुमकुम भाग्यश् फेम एक्ट्रेस शिखा सिंह ने हाल ही में कास्टिंग काउच से जुड़ा एक अनुभव शेयर किया। जहां एक फेमस फिल्ममेकर ने उन्हें अनकंफर्टेबल करते हुए शिखा को गलत तरीके से छूने की कोशिश की और उन पर हाथ रख दिया था। टेली मसाला को दिए इंटरव्यू में शिखा ने कहा, ष्मेरे साथ ऐसा सिर्फएक बार हुआ था। यह पहली बार था जब मैं किसी फिल्म के ऑडिशन के लिए गई थी और वही आखिरी बार भी था जब मैं किसी फिल्म के ऑडिशन में गई। मैं वहां पहुंची तो वह प्रोड्यूसर-डायरेक्टर सोफे पर बैठा हुआ था। बात करते-करते वह धीरे-धीरे मेरे करीब आने लगा। फिर उसने अपना हाथ यहां रख दिया। मैं तुरंत उठ गई और मैंने कहा, श्सर, हो गया।ष् एक्ट्रेस ने बताया कि आगे बातों-बातों में वह कह रहा था कि देखो, फिल्म में ऐसा होगा। तुम तो हीरोइन मटेरियल हो। उन्होंने बताया, ष्इसी दौरान उसने अपना हाथ मेरे ऊपर रख दिया। मैं तुरंत उठ खड़ी हुई। उसने पूछा, श्क्या हो गया?श् मैंने कहा, श्नहीं सर, मैं खड़ी रहती हूं, आप बात कीजिए।श् वह बोला, श्नहीं, बैठो-बैठो, ये सब तो होता है।श् मैंने जवाब दिया, श्सर, अगर ये सब होगा तो मुझसे नहीं होगा।ष् फिर कभी किसी फिल्म का ऑडिशन नहीं दिया शिखा ने बताया कि उन्होंने फिल्म करने से इनकार कर दिया और तुरंत वहां से चली गईं। इस घटना के बाद उन्होंने किसी अन्य फिल्म के लिए ऑडिशन नहीं दिया और टीवी इंडस्ट्री में काम करने का फैसला किया। उन्होंने उस प्रोड्यूसर-डायरेक्टर का नाम नहीं बताया, लेकिन कहा कि वह एक जाने-माने फिल्ममेकर थे। शिखा ने कई टीवी शो में काम किया शिखा सिंह ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत शो श्लेफ्ट राइट लेफ्टश् में कैडेट आकृति भट्ट के रोल से की थी। इसके बाद वह श्मेरी डोली तेरे अंगनाश् और श्घर की लक्ष्मी बेटियांश् जैसे शो में नजर आईं। साल 2010 में उन्होंने श्ना आना इस देस लाडोश् में अंबा सांगवान का किरदार निभाया। इसके अलावा वह श्फुलवाश, श्26ध्12श, श्अदालतश, श्ससुराल सिमर काश् और श्महाभारतश् में भी दिखाई दीं। श्कुमकुम भाग्यश् से घर-घर में पहचान मिली श्कुमकुम भाग्यश् में आलिया मेहरा के किरदार ने उन्हें खास पहचान मिली। साल 2022 में वह श्नागिन 6श् में रिद्धि शर्मा के रोल में नजर आई। शिखा सिंह ने श्कुमकुम भाग्यश् में श्आलिया मेहराश् का नेगेटिव किरदार निभाया था। शिखा ने श्जुबली कॉमेडी सर्कसश, श्गोल्ड सेफश् और श्कॉमेडी नाइट्स बचाओश् जैसे शो में भी काम किया है। वर्तमान में वह श्जगधात्रीश् में साक्षी मित्तल का रोल निभा रही हैं। पर्सनल लाइफकी बात करें तो शिखा सिंह ने अप्रैल 2016 में करण शाह से शादी की थी। साल 2020 में दोनों एक बेटी के माता-पिता बने।

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ एक बच्चे की मां बन गई हैं. एक्ट्रेस ने पिछले साल अपने पहले बच्चे का वेलकम किया था. वो इन दिनों अपनी फैमिली संग क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रही हैं. इसी बीच एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैटरीना मां बनने के बाद जल्द ही ओटीटी पर डेब्यू करने वाली हैं. इस खबर से उनके फैंस काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं. मां बनने के बाद कमबैक की तैयारी में कैटरीना कैफकैटरीना कैफलंबे टाइम से बड़े पर्दे से दूर हैं. वहीं अब एक्ट्रेस मां बनने के बाद कमबैक की तैयारी में हैं. इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कैटरीना कैफजल्द ही काम पर लौटने वाली हैं. रिपोर्ट में बताया गया कि एक्ट्रेस ने स्क्रिप्ट पढ़ना शुरू कर दिया है और एक सही प्रोजेक्ट पर काम करने की तलाश में हैं. ओटीटी पर मचाएंगी धमाल रिपोर्ट में आगे बताया गया कि एक्ट्रेस अगले साल 2027 के बीच सेट पर लौटेंगी और वो एक सही स्क्रिप्ट पर काम करना चाहती हैं. कैटरीना ने ओटीटी की दुनिया में भी अपनी दिलचस्पी दिखाई है. अगर ये खबर सच हुई तो एक्ट्रेस का ये पहला ओटीटी प्रोजेक्ट होगा. फैंस उन्हें स्क्रीन पर देखने के लिए बेताब हैं. बता दें, कैटरीना को आखिरी बार फिल्म श्मेरी क्रिसमसश् में देखा गया था. ये फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी. वहीं एक्ट्रेस इन दिनों अपनी लाइफ के सबसे खूबसूरत फेज को एंजॉय कर रही हैं. उन्होंने पिछले साल नवंबर में अपने पहले बच्चे विहान को जन्म दिया था और वो अपनी मदरहुड जर्नी को एंजॉय कर रही हैं. एक्ट्रेस के पोस्ट में अक्सर उनके बेटे विहान की झलक देखने को मिल जाती है. मां बनने के बाद कमबैक की तैयारी में कैटरीना कैफ ओटीटी पर डेब्यू करेंगी एक्ट्रेस बता दें, कैटरीना कैफने साल 2021 में एक्टर विक्की कौशल के साथ 9 दिसंबर को शादी रचाई थी. ये कपल एक दूसरे के साथ काफी खुश हैं.

रोमांचक मुकाबले में मिली हार

भारत के किदांबी श्रीकांत को अपने से नौ साल छोटे चीनी ताइपे के सु ली यांग के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में तीन गेम तक चले मैच में हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की लेकिन वह विश्व में 46वें नंबर के खिलाड़ी सु की गति का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर में एक घंटे से अधिक समय तक चले मैच में 15–21, 21–16, 9–21 से हार गए। श्रीकांत ने पिछले साल मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 और सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 में भी दूसरा स्थान हासिल किया था। सत्र का अपना पहला फाइनल खेल रहे श्रीकांत की गलतियों का फायदा उठाकर सु ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत की और 7–2 की बढ़त बना ली। श्रीकांत ने वापसी करते हुए अगले 11 में से आठ अंक जीते और स्कोर 10–10 से बराबर कर दिया। हालांकि ब्रेक के बाद चीनी ताइपे के शटलर ने वापसी करते हुए रैलियों की गति तेज कर दी और 17–12 से बढ़त बना ली। सु ने इसके बाद छह गेम प्वाइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने एक प्वाइंट बचाया, लेकिन फिर शटल को बाहर मार दिया, जिससे सु ने 17 मिनट में पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने लगातार तीन अंक जीतकर 7–4 की बढ़त बना ली, लेकिन सु ने जल्द ही 8–8 से बराबरी कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने एक शानदार बैकहैंड क्रॉस–कोर्ट नेट शॉट से 10–8 की बढ़त बनाई। श्रीकांत ने इसके बाद भी अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए उसे 18–13 कर दिया और फिर सात गेम प्वाइंट हासिल किए। सु ने तीन गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन श्रीकांत ने एक जोरदार स्मैश से मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में सु ने आक्रामक शुरुआत करते हुए 4–1 की बढ़त हासिल कर ली। श्रीकांत ने इस बीच गलतियां की जबकि चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने अपना आक्रामक खेल जारी रखते हुए बढ़त को 15–7 तक पहुंचा दिया। श्रीकांत के एक और वाइड रिटर्न के बाद सु ने 12 मैच प्वाइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने एक अंक बचाया, लेकिन वह अपना संघर्ष जारी नहीं रख पाए और सु ने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफवर्ल्ड टूर खिताब जीता।

92वें मिनट में बने नेशनल हीरो

स्टीफन यूस्टाक्वियो ने दूसरे हाफके इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल किया जिससे कनाडा ने विश्व कप फुटबॉल के पहले नॉकआउट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 1–0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया। सोफी स्टेडियम में 90 मिनट से अधिक समय तक निराशा और दक्षिण अफ्रीका की रक्षात्मक रणनीति का जवाब देने में नाकामी के बाद कनाडा ने एक पल में इतिहास रच दिया जब एलिस्टर जॉनसन ने यूस्टाक्वियो का पेनल्टी बॉक्स में ऊंचा पास दिया। लॉस एंजिलिस एफसी के लिए खेलने वाले मिडफील्डर यूस्टाक्वियो ने गेंद को सीने से रोका और फिर नेट के निचले कोने में जोरदार शॉट मारकर गोल कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स के पास इसे रोकने का कोई मौका नहीं था। यूस्टाक्वियो इसके बाद कनाडा के अन्य खिलाड़ियों के साथ जश्न मनाने के लिए दौड़ पड़े। स्टेडियम में मौजूद कनाडा के दर्शक झूमने लगे जबकि दक्षिण अफ्रीका के प्रशंसक मायूस हो गए। कनाडा ने पहली बार विश्व कप के इतिहास में नॉकआउट मैच जीता। मैच समाप्त होने के बाद कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श ने मैदान पर अपने खिलाड़ियों को इकट्ठा किया और अपने दिल की बात धीरे से नहीं बल्कि काफी जोर से कही। मार्श ने कहा, ''आज आप लोग कनाडा के हीरो हैं। कनाडा की भावी पीढ़ी के लिए आप सभी नायक हैं। आप लोगों की वजह से इस खेल का उज्ज्वल भविष्य है। आपको अपने आप पर गर्व होना चाहिए। आपको इस खेल पर गर्व होना चाहिए। आपने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी। आप लगातार प्रयास करते रहे, हर अंक के लिए, हर पल के लिए। आप कनाडा के हीरो हैं।'' कनाडा के व्यस्त खेल कैलेंडर में फुटबॉल को कभी भी प्राथमिकता में नहीं रखा गया। उसकी टीम तीसरी बार विश्व कप में खेल रही है लेकिन अब मार्श को विश्वास है कि यह जीत देश के लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकती है। मार्श ने कहा, ''अगर हमने पहले मिले मौकों का फायदा उठाया होता, तो हम अपने लिए चीजें थोड़ी आसान कर सकते थे। यह रोमांचक जीत है और मुझे लगता है कि कनाडा में इसका जो असर होगा और लोगों को इससे जो प्रेरणा मिलेगी, वह बहुत महत्वपूर्ण होगी।''

दक्षिण अफ्रीका का सपना टूटा

लॉस एंजिलिस। कनाडा ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड–ऑफ–32 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 1–0 से हराकर पहली बार विश्व कप के राउंड ऑफ–16 में जगह बना ली। कप्तान स्टीफन यूस्टाक्वियो ने इंजरी टाइम (90़2श) में मैच का एकमात्र और निर्णायक गोल दागकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

फीफा विश्व कप 2026 के राउंड–ऑफ–32 के पहले मुकाबले में सह–मेजबान कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को 1–0 से हराकर इतिहास रच दिया। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में कप्तान स्टीफन यूस्टाक्वियो ने इंजरी टाइम (90़2श) में शानदार गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। इस जीत के साथ कनाडा ने पहली बार फीफा पुरुष विश्व कप के राउंड ऑफ–16 में जगह बनाई। इससे पहले कनाडा 1986 और 2022 विश्व कप में ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सका था। अब राउंड ऑफ–16 में उसका सामना नीदरलैंड और मोरक्को के बीच होने वाले

मुकाबले की विजेता टीम से होगा। पहले हाफमें दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर मैच की शुरुआत से ही दक्षिण अफ्रीका ने आक्रामक खेल दिखाया और कई अच्छे मूव बनाए, लेकिन अंतिम पास और फिनिशिंग की कमी के कारण टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। दूसरी ओर, कनाडा ने भी कुछ शानदार मौके बनाए।पहले हाफ के अंतिम क्षणों में कनाडा लगातार दो बार गोल करने के करीब पहुंचा। पहले दक्षिण अफ्रीका के डिफेंडर ऑब्रे मॉडिबा ने मोइज बॉम्बिटो के हेडर को गोललाइन से क्लियर कर दिया। इसके तुरंत बाद गोलकीपर रोनवेन विलियम्स ने ताजोन बुकानन के शॉट पर शानदार बचाव कर अपनी टीम को गोल खाने से बचा लिया।

हाफ–टाइम तक दोनों टीमें 0–0 की बराबरी पर थीं। दूसरे हाफ में कनाडा ने बनाया दबाव ब्रेक के बाद कनाडा ने खेल पर पकड़ मजबूत कर ली और लगातार दक्षिण अफ्रीका के गोल पर हमले किए। तानी ओलुवासेयी के दमदार शॉट को रोनवेन विलियम्स ने बेहतरीन तरीके से रोक दिया। इसके बाद डिफेंडर म्बेकेजेली म्बोकाजी ने समय रहते गेंद को क्लियर कर रिबाउंड पर गोल होने से बचा लिया। 75वें मिनट में स्टार खिलाड़ी अल्फोंसो डेविस को मैदान पर उतारा गया। उनकी रफ्तार और शानदार ड्रिब्लिंग ने दक्षिण अफ्रीका के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया और कनाडा के हमलों में नई ऊर्जा भर दी। यूस्टाक्वियो ने इंजरी टाइम में दिलाई जीत जब मुकाबला अतिरिक्त समय की ओर बढ़ रहा था और लग रहा था कि मैच एक्स्ट्रा टाइम में जाएगा, तभी इंजरी टाइम के दूसरे मिनट (90़2श) में कप्तान स्टीफन यूस्टाक्वियो ने बॉक्स के बाहर उछलती हुई गेंद पर बेहतरीन फर्स्ट–टाइम शॉट लगाया। गेंद सीधे गोलपोस्ट के निचले कोने में जाकर समा गई और गोलकीपर रोनवेन विलियम्स उसे रोकने में असफल रहे। यही गोल मैच का निर्णायक साबित हुआ और कनाडा ने 1–0 से जीत दर्ज कर ली। कनाडा ने रचा इतिहास यह जीत कनाडा के पुरुष फुटबॉल इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। टीम ने पहली बार फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बनाई थी और अब पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीतकर राउंड ऑफ–16 में भी प्रवेश कर लिया है।

इससे पहले कनाडा ने 1986 और 2022 विश्व कप में हिस्सा लिया था, लेकिन दोनों बार ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका ने भी बनाया रिकॉर्ड भले ही दक्षिण अफ्रीका को हार का सामना करना

फीफा विश्वकप में कल क्या हुआ और आज क्या? कनाडा अंतिम–16 मेंय 19वें दिन खेले जाएंगे तीन सुपरहिट नॉकआउट मुकाबले

न्यूयॉर्क। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ32 में कनाडा ने स्टीफन एउस्ताकियो के इंजरी टाइम गोल की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को 1–0 से हराकर अंतिम–16 में जगह बना ली। अब उसका सामना नीदरलैंड्स–मोरक्को के विजेता से होगा। आज के मुकाबले देखने के लिए खबर विस्तार से पढ़ें... फीफा विश्व कप 2026 के नॉकआउट चरण का रोमांच लगातार बढ़ता जा रहा है। 18वें दिन कनाडा ने आखिरी मिनटों में गोल दागकर दक्षिण अफ्रीका को 1–0 से हराया और पहली बार राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। वहीं 19वें दिन राउंड ऑफ32 के तीन बड़े मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें ब्राजील, जर्मनी और नीदरलैंड्स जैसी दिग्गज टीमें मैदान में उतरेंगी। आखिरी मिनट में एउस्ताकियो बने कनाडा के हीरो राउंड ऑफ32 में दक्षिण अफ्रीका और कनाडा के बीच मुकाबला पूरे समय बेहद कड़ा रहा। दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं कर सकीं। मैच के इंजरी टाइम (90़2वें

मिनट) में कनाडा के मिडफील्डर स्टीफन एउस्ताकियो ने बॉक्स के बाहर उछलती गेंद पर शानदार शॉट लगाया, जो सीधे गोलपोस्ट के निचले कोने में जाकर लगा। इसी गोल की बदौलत कनाडा ने 1–0 से जीत दर्ज की और अंतिम–16 का टिकट हासिल कर लिया। अब कनाडा का अगला मुकाबला नीदरलैंड्स और मोरक्को के बीच आज (19वें दिन) होने वाले विजेता से होगा। दक्षिण अफ्रीका ने भी छोड़ी मजबूत छाप दक्षिण अफ्रीका ने पहले हाफ में कई अच्छे मूव बनाए, लेकिन फिनिशिंग कमजोर रही। गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स ने शानदार बचाव करते हुए कनाडा को लंबे समय तक गोल से दूर रखा। हालांकि आखिरी क्षणों में टीम गोल बचाने में नाकाम रही। इसके बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने इतिहास रचते हुए पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण तक पहुंचकर शानदार प्रदर्शन किया। 74 वर्षीय कोच ने बनाया विश्व कप इतिहास दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच ह्यूगो ब्रूस 74 वर्ष 79 दिन की उम्र में फीफा विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में टीम को कोचिंग देने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने उरुग्वे के पूर्व कोच ऑस्कर तबरेज का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2018 विश्व कप में 71 वर्ष की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। प्लेयर ऑफ द मैच एउस्ताकियो ने क्या कहा? कनाडा के मिडफील्डर स्टीफन एउस्ताकियो को उनके विजयी गोल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने मैच के बाद कहा, श्हमने इस जीत के लिए बहुत मेहनत की। हम यह जीत कनाडा के सभी लोगों को समर्पित करना चाहते थे। हमने आखिर तक विश्वास बनाए रखा और लगातार कोशिश करते रहे।

रोहित यादव ने 87.05 मीटर थ्रो के साथ जीता स्वर्ण पदक, तोड़ा अपना व्यक्तिगत रिकॉर्ड

भुवनेश्वर। रोहित यादव की सीरीज भी काफी मजबूत रही। उन्होंने 77.71 मीटर, 77.63 मीटर, एक फाउल (नो मार्क), 77.51 मीटर, 79.40 मीटर और फिर अंतिम प्रयास में 87.05 मीटर का थ्रो किया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में वह अपनी लय पकड़ने में संघर्ष कर रहे थे, लेकिन आखिरी थ्रो में उन्हें सही रिदम मिली और उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। कलिंगा स्टेडियम में आयोजित हुई 65वीं नेशनल इंटर–स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चौंपियनशिप के आखिरी दिन जेवलिन थ्रो स्पर्धा में रोहित यादव का जलवा देखने को मिला। रोहित ने 87.05 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने एशियन गेम्स 2026 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। रविवार को अपने इस थ्रो के साथ ही रोहित इस सीजन में भारत की ओर से सबसे लंबी दूर का थ्रो फेंकने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही वह श्रीलंका के रमेश थरंगा पथिरगे (92.62 मीटर) के बाद दुनिया के टॉप थ्रोअर की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा भी शामिल हैं, जो 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर हैं। रोहित का यह प्रदर्शन इसलिए भी खास है क्योंकि उनका पिछला बेस्ट 83.04 मीटर था, जो उन्होंने 2023 में हासिल किया था। इस बार उन्होंने न सिर्फ अपना व्यक्तिगत रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि मीट रिकॉर्ड से भी बेहतर प्रदर्शन किया, जो पहले 84.35 मीटर था। मैच के बाद 25 वर्षीय रोहित यादव ने कहा कि इस प्रदर्शन से उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उन्होंने बताया कि वह ट्रेनिंग में 86द्87 मीटर तक थ्रो कर रहे थे, लेकिन प्रतियोगिता में पहले वैसा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें उम्मीद है कि वह आने वाले बड़े टूर्नामेंट में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। रोहित ने खुशी जताई कि वह बड़ी प्रतियोगिता से पहले नया बेंचमार्क सेट करने में सफल रहे। पुरुषों की जेवलिन स्पर्धा में यशवीर सिंह ने 83.72 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि सचिन यादव 82.32 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

अर्थ जगत

गलती सुधारो, कार्रवाई से बचो: जन विश्वास कानून के तहत कारोबारियों और एमएसएमई को सरकार की बड़ी राहत

नई दिल्ली। देश के कारोबारियों और एमएसएमई क्षेत्र के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी नियमों में ढील देने का फैसला किया है। इसके अनुसार अब पहली गलती पर सीधा जुर्माना नहीं, बल्कि सुधार का मौका मिलेगा। जानिए क्या है नया श्इम्प्रूवमेंट नोटिसश् सिस्टम। अभी पूरी खबर पढ़ें। देश के कारोबारियों और सूक्ष्म, लघु मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए एक राहत भरी खबर है। श्ईज ऑफडूइंग बिजनेसश् (कारोबार में सुगमता) को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सोमवार को लीगल मेट्रोलॉजी एक्ट, 2009 के तहत श्इम्प्रूवमेंट नोटिसश् (सुधार नोटिस) का नया सिस्टम लागू करने का ऐलान किया है। इस नए नियम का सीधा सा मतलब है– श्पहले गलती सुधारो, कार्रवाई का सामना बाद में करोश। यह बदलाव जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम, 2026 के जरिए लागू किया गया है, ताकि पहली बार अनजाने में हुई प्रक्रियात्मक गलतियों के लिए व्यवसायों को सीधे जुर्माने या कानूनी पचड़े में न पड़ना पड़े। आखिर क्या है यह श्इम्प्रूवमेंट नोटिसश् और यह कैसे काम करेगा? अब तक नियमों के मामूली उल्लंघन पर भी सीधी दंडात्मक कार्रवाई होती थी। लेकिन नए तंत्र के तहत, यदि कोई लीगल मेट्रोलॉजी अधिकारी पहली बार किसी प्रक्रियात्मक या नियामक खामी को पकड़ता है, तो वह सीधे कार्रवाई करने के बजाय एक श्इम्प्रूवमेंट नोटिसश् जारी करेगा। इस नोटिस में यह स्पष्ट रूप से बताया जाएगा कि गलती क्या है और इसे सुधारने के लिए कारोबारी को एक उचित समय दिया जाएगा। यदि संबंधित इकाई तय समय के भीतर नियमों का पालन कर लेती है, तो वह दंडात्मक कार्यवाही से पूरी तरह बच सकती है। इस फैसले का सीधा फायदा किन उद्योगों और कारोबारियों को मिलेगा? यह सुधार बाजार में काम करने वाले एक बहुत बड़े वर्ग पर लागू होता है, जिसमें मुख्य रूप से शामिल हैंरू निर्माता और आयातक पैकिंग करने वाले और डीलर मरम्मत करने वाले और सामान्य व्यापारी एमएसएमई और अन्य विनियमित संस्थाएं पहली बार की जाने वाली जिन गलतियों पर यह नोटिस मिलेगा, उनमें पंजीकरण, डॉक्यूमेंटेशन, मॉडल अप्रूवल, वजन और माप उपकरणों के निर्माण व बिक्री, पैकेटबंद वस्तुओं के लेनदेन और वैधानिक जानकारी देने में हुई चूक शामिल है। क्या नियमों में इस ढील से उपभोक्ताओं के अधिकारों का हनन होगा?

कमोडिटी ईटीएफमें प्राइस डिस्कवरी और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए 1 सितंबर से लागू होगा बदलाव

नई दिल्ली। 1 सितंबर 2026 से सेबी गोल्ड और सिल्वर ईटीएफसमेत कई ईटीएफ श्रेणियों में नई ट्रेडिंग व्यवस्था लागू करेगा। इसके तहत प्री–ओपन कॉल ऑक्शन और डायनेमिक प्राइस बैंड लागू होंगे, जिससे अंतरराष्ट्रीय कीमतों का असर भारतीय बाजार में अधिक सटीक रूप से दिखेगा। नई व्यवस्था से बेहतर मूल्य पारदर्शिता, अधिक तरलता और ईटीएफ की कीमतों व एनएवी के बीच बेहतर तालमेल मिलेगा। अगर आप भी अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित रखने के लिए सोने और चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में पैसा लगाते हैं, तो आगामी 1 सितंबर 2026 से ट्रेडिंग के नियम पूरी तरह बदलने जा रहे हैं। अब तक अक्सर देखा जाता था कि जब अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजारों में रात के समय बड़ी उठापटक होती थी, तो भारतीय ईटीएफ बाजार अगले दिन तुरंत उस बदलाव को सही तरीके से नहीं दिखा पाते थे। इसी विसंगति को दूर करने और निवेशकों को हकीकत के करीब लाने के लिए बाजार नियामक सेबी प्री–ओपन कॉल ऑक्शन मैकेनिज्म और डायनेमिक प्राइस बैंड का नया फॉर्मूला लेकर आया है। क्या है सेबी का नया फॉर्मूला और यह कैसे काम करेगा? नए नियमों के तहत कमोडिटी ईटीएफ (खासकर गोल्ड और सिल्वर फंड्स) के लिए ट्रेडिंग की शुरुआत प्लसध्माइनस 6ः के शुरुआती प्राइस बैंड के साथ होगी। यदि बाजार में उतार–चढ़ाव बहुत तेज होता है, तो एक निश्चित कूलिंग–ऑफ पीरियड के बाद इस प्राइस बैंड को 3–3 फीसदी के दायरे में और आगे बढ़ाया जा सकेगा। मौजूदा सिस्टम के विपरीत, अब नए नियमों में इस बात की कोई ऊपरी सीमा नहीं होगी कि एक ही ट्रेडिंग सेशन के दौरान इस बैंड को कितनी बार चौड़ा किया जा सकता है। इससे कीमतों में होने वाले वैश्विक उतार–चढ़ाव को तुरंत भारतीय बाजारों में एडजस्ट किया जा सकेगा। आधार कीमत भी होगी नए तरीके से तय सेबी ने ईटीएफकी आधार कीमत तय करने के तरीके में भी सुधार किया है। सितंबर 2026 से, पिछले कारोबारी दिन के आखिरी 30 मिनट के क्लोजिंग प्राइस को ही संदर्भ मूल्य माना जाएगा। इससे बाजार के उतार–चढ़ाव के दौरान अचानक से दिखने वाले भारी प्रीमियम या डिस्काउंट को कम करने में मदद मिलेगी। निवेशकों को फायदे? इसका सबसे बड़ा फायदा बेहतर मूल्य पारदर्शिता और निष्पक्ष निष्पादन होगा। यह नया तंत्र बाजार सहभागियों को नियमित कारोबार शुरू होने से पहले अधिक सटीक शुरुआती कीमत खोजने की अनुमति देगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने और चांदी की कीमतों में रातों–रात जो भी उतार–चढ़ाव होगा, वह अगले दिन सुबह भारतीय ईटीएफ निवेशकों को अधिक सटीक रूप से दिखाई देगा। नया प्राइसिंग मैकेनिज्म और प्री–ओपन ऑक्शन सिस्टम मार्केट में कृत्रिम रूप से बढ़ने या घटने वाले प्रीमियमध्डिस्काउंट को रोकेगा, जिससे आम निवेशकों को सही कीमत पर यूनिट्स मिलेंगी। डायनेमिक बैंड होने से बड़े संस्थागत निवेशकों और मार्केट मेकर्स को ट्रेडिंग करने में आसानी होगी, जिससे बाजार में तरलता बढ़ेगी। निवेशकों को कम मूल्य विस्थापन, बेहतर तरलता, ईटीएफकीमतों और एनएवी के बीच बेहतर तालमेल, और तर्कहीन कीमतों पर घबराहट के कारण होने वाली खरीद या बिक्री की कम संभावनाओं के माध्यम से लाभ होने की उम्मीद। नई बनाम पुरानी व्यवस्था ईटीएफश्रेणी मौजूदा व्यवस्था नई व्यवस्था (1 सितंबर 2026 से लागू) कमोडिटी ईटीएफ (गोल्ड और सिल्वर) फिक्स्ड 5ः से 10ः बैंड प्री–ओपन ऑक्शन डायनेमिक बैंड। शुरुआत 6ः से होगी, इसके बाद 3ः के स्टेप्स में बैंड बढ़ेगा।

यहां भी है रिटर्न सुरक्षा के साथ– स्मॉलकैप और मिडकैप एसेट्स को लेकर निवेशकों के मन में अनिश्चितता

नई दिल्ली। जब स्मॉलकैप और मिडकैप जैसे उच्च–जोखिम वाले एसेट्स ऐतिहासिक औसत से 15–20ः प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं, तब निवेशकों के मन में अनिश्चितता स्वाभाविक है। ऐसे में, क्या लॉक–इन पीरियड के बावजूद सरकारी लघु बचत योजनाएं एक बेहतर सुरक्षा कवच हैं? दिल्ली में रहने वाले रमेश मित्तल ने पिछले साल रिटायर होने पर फंड का एक बड़ा हिस्सा स्मॉलकैप और मिडकैप म्यूचुअल फंड में लगाया था। शुरुआती कुछ महीनों में तो अच्छा मुनाफा दिखा। लेकिन हाल की उथल–पुथल में मुनाफा साफहोने लगा। इस गिरावट ने रमेश की रातों की नींद उड़ा दी। अब वे सोच रहे हैं कि काश उन्होंने अपना यह पैसा पीपीएफया सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम जैसी सरकारी लघु बचत योजनाओं में लगाया होता, जहां लॉक–इन पीरियड भले ही है, लेकिन पूंजी डूबने का डर पूरी तरह शून्य है। लॉक–इन पीरियड रखता है अनुशासन में जब शेयर बाजार वैश्विक भू–राजनीतिक तनाव या आर्थिक मंदी के कारण गोता लगाने लगता है, तब निवेशकों का रुझान सुरक्षित विकल्पों की तरफ बढ़ना लाजिमी है। ऐसे दौर में पब्लिक प्रॉविडेंट फंड, सुकन्या समृद्धि योजना, नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट और सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम जैसी लघु बचत योजनाएं एक अचूक सुरक्षा कवच की भूमिका निभाती हैं। कई लोग इनके लंबे लॉक–इन पीरियड को एक नकारात्मक पहलू के रूप में देखते हैं, लेकिन इसे व्यावहारिक अनुशासन के रूप में देखा जाना चाहिए, जो आपको बाजार के उतार–चढ़ाव को देखकर घबराहट में गलत निर्णय लेने से रोकता है। लघु बचत योजनाओं के तीन सबसे बड़े सुरक्षा स्तंभ हैंरू संपूर्ण संप्रभु सुरक्षारू बाजार आधारित म्यूचुअल फंड्स में सुरक्षा की सीमा फंड मैनेजर की कुशलता पर टिकी होती है, लेकिन लघु बचत योजनाओं में आपकी पूंजी और रिटर्न दोनों की 100ः गारंटी भारत सरकार देती है। यहां डिफॉल्ट का जोखिम पूरी तरह शून्य है। अस्थिरता से बचावरू शेयर बाजार के उतार–चढ़ाव से इन योजनाओं पर कोई आंच नहीं आती। इनका रिटर्न निश्चित होता है और हर तिमाही पर ब्याज दरों की समीक्षा की जाती है। कड़ा लॉक–इन पीरियड निवेशकों को बाजार की गिरावट में घबराकर पैसा निकालने से रोकता है, जिससे दीर्घकालिक लक्ष्य सुरक्षित रहते हैं। लघु बचत योजनाएं किसके लिए सही? लघु बचत योजनाएं हर किसी के लिए नहीं हैंरू जोखिम से बचने वाले निवेशकरू जो लोग शांति की नींद सोना चाहते हैं और अपने मूलधन पर एक रुपये का भी नुकसान बर्दाश्त नहीं कर सकते। सेवानिवृत्तरू जिन्हें नियमित, सुरक्षित और निश्चित आय की आवश्यकता है। विशिष्ट लक्ष्यरू जिनके घर में बेटियां हैं और वे उनकी शिक्षा या विवाह के लिए सुरक्षित फंड बनाना चाहते हैं। उच्च आय वर्ग के लोगरू जो पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत धारा 80सी का पूरा लाभ उठाना चाहते हैं। टैक्स और रिटर्न के मोर्चे पर अन्य फिक्स्ड–इनकम उत्पादों से तुलना मापदंड सरकारी लघु बचत योजनाएं बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (थ्क्) डेट म्यूचुअल फंड मौजूदा ब्याज दर ध् रिटर्न 7.1ः से 8.2ः (योजना के अनुसार, त्रैमासिक संशोधित) 6.5ः से 7.7ः (बैंक और अवधि के अनुसार) बाजार आधारित (अनुमानित 7.0ः से 7.8ः) सुरक्षा का स्तर सर्वोच्च (सरकार की गारंटी) ध्5 लाख तक सुरक्षित (क्प्ब्ळब् बीमा) क्रेडिट और ब्याज दर जोखिम के अधीन धारा 80ब् के तहत टैक्स छूट हां, च्च्थ्, ैैल, छैब् और ैब्ै जैसी योजनाओं में उपलब्ध केवल 5–वर्षीय टैक्स सेवर थ्क् पर उपलब्ध नहीं, कोई टैक्स छूट उपलब्ध नहीं परिपक्वता पर टैक्स च्च्थ् और ैैल् जैसी योजनाओं में पूरी तरह टैक्स–फ्री (म्म्म्) आपके टैक्स स्लैब के अनुसार पूरी तरह टैक्स योग्य (ज्वै लागू) निवेशक के टैक्स स्लैब के अनुसार टैक्स योग्य तरलता (स्पुनपकपजल) कम से मध्यम (5 से 15 साल तक का लॉक–इन) उच्च (समय से पहले निकासी पर मामूली पेनल्टी) अत्यधिक उच्च (बिना लॉक–इन के कभी भी निकासी संभव) वित्तीय नियंत्रण के लिए अनुशासन जरूरी

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक–अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।